तत् त्वं पूषन् अपावृणु
केन्द्रीय विद्यालय संगठन

कृति

2019-20

केंद्रीय विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल, पोकरण

केंद्रीय विद्यालय, सीमा सुरक्षा बल, पोकरण

विद्यालय पत्रिका

2019-20

मुख्य संरक्षक

श्री यशपाल सिंह

उपायुक्त, जयपुर संभाग

संरक्षक

श्री मुकेश कुमार
सहायक आयुक्त,
जयपुर संभाग

श्री सुरेन्द्र मिश्र
समादेष्टा, 57वीं वाहिनी, सी.सु.ब.,
नामिती अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति

मार्गदर्शक

श्री गजेन्द्र जोशी
प्राचार्य

संपादक मण्डल

श्री सोहन लाल शर्मा	श्री संतोष कुमार देवल	श्री संजय कुमार
पी.जी.टी. (हिन्दी)	पी.जी.टी. (संगणक)	पी.जी.टी. (अँग्रेजी)
श्री राकेश कंवरिया	सुश्री सुशीला देवी	श्री मानसिंह नरवाल
टी.जी.टी. (हिन्दी)	टी.जी.टी. (संस्कृत)	टी.जी.टी. (अँग्रेजी)

विद्यार्थी संपादक

गौरव भास्कर, XII विज्ञान

कविता, XII कला

सन्देश

मुझे यह जानकार अत्यंत हर्ष हो रहा है कि केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल पोकरण अपने विद्यार्थियों व शिक्षकों की सृजनशीलता एवं अभिव्यक्ति को अवसर देने के लिए अपनी वार्षिक ई-पत्रिका 2019-20 प्रकाशित करने जा रहा है।

विद्यालय पत्रिका बच्चों की रचनात्मक प्रतिभा का परिचय देती है। पत्रिका में अपने नाम एवं अपनी छपी रचना देख व पढ़कर छात्र अपने में अत्यंत आनंद का अनुभव करते हैं, साथ ही भविष्य में कुछ ख़ास करने के लिए तत्पर हो जाते हैं। छात्रों की रचनाओं को संवारकर प्रकाशित करने से उनको अप्रत्यक्ष मार्गदर्शन मिलता है।

पत्रिका विद्यालय की प्रगति और गतिशीलता का दर्पण होती है। समाज इसके आधार पर अपनी अगली पीढ़ी का भविष्य आँकता है। इस अर्थ में पत्रिका छात्रों, शिक्षकों एवं विद्यालय को यशस्वी बनाने में मदद करती है।

आपके इस प्रयास के लिए समस्त विद्यालय परिवार व ई-पत्रिका के सम्पादकीय मंडल को मेरी ओर से बधाई और शुभकामनाएँ।

आपका शुभेच्छु
(यशपाल सिंह)
उपायुक्त

सन्देश

यह जानकर अत्यंत प्रसन्नता हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल पोकरण अपनी वार्षिक ई-पत्रिका का प्रकाशन जा रहा है। विद्यालय पत्रिका एक मंच है अभिव्यक्ति का। इस साहित्यिक मंच के माध्यम से विद्यार्थियों की सुप्त लेखन शैली को उजागर होने का अवसर मिलता है।

यह पत्रिका एक दर्पण भी है। जिसके माध्यम से विद्यालय की समस्त गतिविधियाँ प्रतिबिंबित होती है। मुझे आशा है कि विद्यालय ई-पत्रिका अपने उद्देश्य में सफल होगी।

मैं विद्यालय के प्राचार्य, शिक्षकगण एवं कर्मचारियों को विद्यालय ई-पत्रिका के सफल प्रकाशन हेतु शुभकामनाएं प्रेषित करता हूँ।

सुरेन्द्र मिश्र
समादेष्टा,
57वीं वाहिनी, सीमा सुरक्षा बल, पोकरण
नामिती अध्यक्ष, विद्यालय प्रबंधन समिति

सन्देश

यह जानकर मुझे अत्यंत हर्ष की अनुभूति हो रही है कि केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल पोकरण द्वारा विद्यालय ई-पत्रिका का प्रकाशन किया जा रहा है।

पत्रिका एक ऐसा माध्यम है जिसकी सहायता से विद्यार्थियों और शिक्षकगण की सृजनात्मकता को आयाम मिलते हैं और पाठ्य-पुस्तकों के पठन-पाठन की अनिवार्यता से उत्पन्न बोझिलता को दूर कर मन में पढने-लिखने की सहज वृत्ति का विकास होता है।

विद्यालय की उत्तरोत्तर प्रगति की कामना करते हुए आपके इस सफल प्रयास के लिए सभी शिक्षकों व विद्यार्थियों को हार्दिक शुभकामनाएँ।

शुभेच्छु

(मुकेश कुमार)

सहायक आयुक्त

प्राचार्य की कलम से...

केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, पोकरण की वार्षिक विद्यालय पत्रिका "कृति" का ताजातरीन अंक आपको सौंपते हुए मैं अत्यंत प्रसन्नता का अनुभव कर रहा हूँ। विद्यालय पत्रिका विद्यालयी गतिविधियों का आईना होती है, जिसमें नवोदित रचनाकार अपनी कल्पनाओं के रंगों और जज्बातों को कागज पर एक सुन्दर चित्र के रूप में उकेरते हैं। इससे उनके हौंसलों को पंख मिलते हैं। मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पत्रिका छात्रों की रचनात्मकता, सृजनशीलता और अनुभूतियों को अभिव्यक्त करने का एक सार्थक प्रयास साबित होगी।

विद्यालय पत्रिका के प्रकाशन में अपना अमूल्य सहयोग एवं मार्गदर्शन प्रदान करने के लिए मैं आदरणीय श्री यशपाल सिंह, उपायुक्त, केन्द्रीय विद्यालय संगठन, जयपुर संभाग तथा श्री सुरेन्द्र मिश्र, नामित अध्यक्ष विद्यालय प्रबन्धन समिति के प्रति हृदय की अनन्त गहराइयों से आभार व्यक्त करता हूँ। साथ ही पत्रिका के सम्पादक मंडल, विद्यालय के सभी विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को उनके इस उल्लेखनीय प्रयास के लिए बधाई देते हुए मंगलकामनाएं अर्पित करता हूँ।

निश्चय ही यह 'कृति' उत्कृष्टता की ओर निरंतर गतिशील हमारे विद्यालय की सम्पूर्ण झांकी को आपके सम्मुख पेश करेगी।

शुभकामनाओं सहित,

गजेन्द्र जोशी
प्राचार्य

सम्पादकीय

कोई भी बालक सकल संभावनाओं और क्षमताओं से परिपूर्ण होता है। विद्यालय उसे उसकी इन्हीं अंतर्निहित शक्तियों से परिचित कराता है, उन्हें एक दिशा प्रदान करता है। विद्यालय का दायरा अथाह किताबी ज्ञान को उस बालक को सौंपने भर तक का नहीं है, बल्कि उसके व्यक्तित्व के हर पहलू को उभारना-निखारना है। केंद्रीय विद्यालय संगठन बखूबी इस दायित्व को दशकों से निभा रहा है। केंद्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल, पोकरण की विद्यालय पत्रिका का यह ई-संस्करण संभावनाओं से भरे हमारे नन्हें नव सृजनकारों को एक मंच देने का प्रयास है।

मानव ईश्वर की अनुपम कृति है। तमाम इंसानी गुणों के साथ ईश्वर ने इस कृति का सृजन किया है। मानव में ये गुण, यह मानवीयता बनी रहे, बची रहे, फले-फूले, यही शिक्षा के इन मंदिरों का ध्येय है। मानवीय संवेदनाओं से भरी ऐसी ही एक 'कृति' हम आपको समर्पित कर रहे हैं, जिसमें बच्चों की रचनात्मकता, कल्पना व श्रम सन्निहित है। इस ई-पत्रिका को तैयार करने में सहयोग करने वाले सभी सुधीजन के प्रति हार्दिक आभार! ई-पत्रिका प्रकाशन का विद्यालय का यह प्रथम प्रयास है, इसलिए कमियाँ हो सकती हैं, पर हम आपके रचनात्मक सुझावों का स्वागत करेंगे।

सादर,

सोहन लाल शर्मा
स्नातकोत्तर शिक्षक- हिंदी

स्टाफ सदस्य

क्रमांक	कर्मचारी का नाम	पदनाम
1	श्री गजेन्द्र जोशी	प्राचार्य
2	श्री संतोष कुमार देवल	पीजीटी संगणक विज्ञान
3	श्री गोपाल सैवलिया	पीजीटी रसायन शास्त्र
4	श्री रामबाबू मीना	पीजीटी जीव विज्ञान
5	श्री ओमप्रकाश जांगिड़	पीजीटी अर्थशास्त्र
6	श्री सोहन लाल शर्मा	पीजीटी हिन्दी
7	श्री धर्मेन्द्र कुमार वर्मा	पीजीटी इतिहास
8	श्री वीर सिंह मीना	पीजीटी भूगोल
9	श्री दीपक जांगिड़	पीजीटी भौतिक शास्त्र
10	श्रीमती कुमुदिनी कान्त पाठक	पीजीटी गणित
11	श्री संजय कुमार	पीजीटी अँग्रेजी
12	श्री राकेश कंवरिया	टीजीटी हिन्दी
13	सुश्री सुशीला देवी	टीजीटी संस्कृत
14	श्री मानसिंह नरवाल	टीजीटी अंग्रेजी
15	श्री अंकित कुमार	टीजीटी गणित
16	श्री अमर नाथ लाखीवाल	पुस्तकालयाध्यक्ष
17	श्री राजेंद्र कुमार	टीजीटी कला
18	श्री श्याम सिंह भाटी	टीजीटी स्वा. एवं शा. शिक्षा
19	श्री कमल कुमार	टीजीटी कार्यानुभव शिक्षक
20	श्री प्रेम नारायण शर्मा	प्राथमिक शिक्षक संगीत
21	श्री शिवनारायण	प्राथमिक शिक्षक
22	श्रीमती सुधीर बाई	प्राथमिक शिक्षक
23	श्रीमती सरिता	प्राथमिक शिक्षक
24	श्रीमती भारती लांबा	प्राथमिक शिक्षक
25	श्री अजय कुमार	प्राथमिक शिक्षक
26	श्री कैलाश चंद बैरवा	वरिष्ठ सचिवालय सहायक
27	श्री अनिकेत शर्मा	कनिष्ठ सचिवालय सहायक
28	श्री भाकर सिंह	प्रयोगशाला परिचारक
29	श्री रणजीत सिंह	सब स्टाफ

हिन्दी अनुभाग

बापू, आप मुझे प्रेरित करते हैं...

(डाक विभाग, भारत सरकार द्वारा वर्ष 2017 में आयोजित 'ढाई आखर' अखिल भारतीय पत्र लेखन प्रतियोगिता के अंतर्देशीय पत्र (वरिष्ठ) वर्ग में विद्यालय के पीजीटी हिंदी श्री सोहन लाल शर्मा की राजस्थान परिमंडल स्तर पर प्रथम तथा राष्ट्रीय स्तर पर द्वितीय स्थान पर पुरस्कृत पत्र-प्रविष्टि)

प्रिय बापू,

आप मुझे प्रेरित करते हैं...

आप मेरे प्रेरणा-पुंज हैं। आप मुझे प्रेरित करते हैं कि मैं इस दुनिया को एक अलग ही नज़रिए से देखूँ। इस दुनिया में सुख-दुःख, कष्ट-पीड़ा, तनाव-अवसाद, राग-द्वेष सब कुछ है, लेकिन मैं इन सबसे विरत होकर कर्म करूँ।

आप मुझे प्रेरित करते हैं किइस चकाचौंध भरी मायावी दुनिया की चमक-दमक में अपने को खोने को बजाय सादगी को ओढ़ूँ-पहनूँ; सादगी की सुन्दरता को आत्मसात करूँ।

आप मुझे प्रेरित करते हैं कि आत्मा के बल को सदैव देहबल से ऊपर रखूँ। शरीर भले ही जीर्ण-शीर्ण जर्जर हो जाए, लेकिन आत्मबल है तो हर चुनौती छोटी पड़ जाएगी। अन्याय से लड़ने और जूँझने की शक्ति आत्मबल से ही आती है। आप इसकी मिसाल है और प्रेरणा भी।

आप मुझे प्रेरित करते हैं कि मैं उस व्यक्ति की आँखों में खोयी चमक लाऊँ, जो मुझसे ज्यादा दुखी है, ज्यादा ज़रूरतमंद है। कतार के उस अंतिम व्यक्ति के उदय में ही हमारी कोशिशों की सार्थकता और सच्ची खुशी है।

आप मुझे प्रेरित करते हैं कि मैं अपने तन-मन को पावन करूँ और इस पावनता को स्वच्छता के सन्देश के साथ अपने परिवार, पास-पड़ोस और समाज व राष्ट्र में फैलाऊँ। मेरी भागीदारी से मेरे देश का कोना-कोना साफ-सुथरा निर्मल बन जाए।

आप मुझे प्रेरित करते हैं कि दिन-ब-दिन बदरंग होती दुनिया में मैं प्रेम और शांति के रंग घोलूँ; दुनिया की नफ़रत और कड़वाहट को सत्य और अहिंसा के पावन जल से धो डालूँ।

आप मुझे प्रेरित करते हैं कि मैं सत्य का आग्रह करता हूँ, सच पर डटा रहता हूँ तो मैं अकेला नहीं हूँ। समाज का नैतिक बल मेरे साथ है। तब मैं स्वयं समाज हो जाऊँगा।

बापू, देहस्वरूप में आप हमारे बीच नहीं है, लेकिन भाव और विचारस्वरुप में मेरे अंतस में बसते हैं रोशनी बनकर, उम्मीद बनकर, प्रेरणा बनकर। आप सदैव मेरे प्रेरक हैं।

सादर नमन,

आपका ही

सोहन लाल शर्मा

माँ

माँ, तू मेरी पूजा है, मन्नत है मेरी
तेरे ही कदमों में जन्नत है मेरी।
नहीं आ सकते भगवान मेरे घर,
इसलिए माँ बनाई है।
है एक शब्द माँ
जिसमें ढेरों शक्तियाँ समाई हैं।
तू है एक अँधेरे में किरण निराली,
परी बिना पंखों वाली।
ऊपर जिसका अंत नहीं उसे आसमां कहते हैं,
जिसके प्यार का अंत नहीं उसे माँ कहते हैं।

-मयंक यादव (VII)

वातावरण

वातावरण को दूषित करके तुम
स्वस्थ नहीं रह पाओगे।
स्वच्छ हवा तुम नहीं ले पाए तो
घुट-घुटकर मर जाओगे।
आओ, मिलकर कसम यह खाएँ,
प्रदूषण को हम दूर भगाएँ।
गन्दगी को दूर भगाकर
वातावरण को स्वच्छ बनाएँ।

-कृतिका भाटी (VII)

चिड़ियों-से हम

लेटरबॉक्स में पड़ी हुई चिट्ठियाँ
अनंत सुख-दुःख वाली अनंत
चिट्ठियाँ,
लेकिन कोई किसी से नहीं बोलती
सभी अकेले-अकेले
अपनी मंजिल पर पहुँचने का
इंतज़ार करती हैं।
कैसा है यह एक साथ होना!
दूसरे के साथ हँसना, न रोना।
क्या हम भी
लेटरबॉक्स की चिट्ठियाँ हो गए हैं?

- नारायण सिंह (VI)

स्वच्छता

मैं नहीं तू, तू नहीं मैं
सदा ही करते, तू-तू मैं-मैं
करो कभी कोई अच्छा काम
बढाए जो भारत देश का नाम।
देश की धरोहर पर है सबका अधिकार,
फिर क्यों है इसकी सफाई से इनकार।
नहीं है कोई बहुत बड़ा उपकार,
बस करना है जीवन में बदलाव।
शहर को मानकर घर अपना,
निर्मल स्वच्छ है उसको भी रखना।
कूड़ेदान में फेंको कूड़ा,
हर जगह न फेंको कूड़ा।
थूकने को नहीं है धरती मैया,
बदलो अपनी आदत भैया।
न करो किसी पड़ौसी का इंतज़ार,
देश है सबका बढ़ाओ स्वच्छता अभियान।

-कृतिका भाटी (VII)

जीवन

जीवन क्या है?
मैंने जब इस सवाल का जवाब खोजा
तो मिला-
जीवन एक पतंग है।

ज़रूरी नहीं है कि वह बहुत ऊँची उड़े।
ज़रूरी यह है कि उसकी डोर
सही इंसान के हाथ में रहे।
जीवन एक नाव है।

जो कि तूफानों का सामना करती है।
ज़रूरी नहीं है कि हर बार
अपनी मंजिल तक जाने के लिए
उसे तूफानों का सामना करना पड़े।
ज़रूरी यह है कि उसकी पतवार मज़बूत रहे।
जीवन एक हसीन किताब है।

ज़रूरी नहीं है कि उसमें पन्ने ज्यादा हो।
ज़रूरी यह है कि किताब के हर पन्ने को
हम दिल से पढ़े।
जीवन एक ख्वाब है।

ज़रूरी नहीं कि हर पल ख्वाब अच्छे हों ।
ज़रूरी यह है कि बुरे ख्वाब आने पर
हमारी आँखें न खुले,
बल्कि हम उस बुरे ख्वाब से बाहर आने का मार्ग खोजे।

-खुशबू जांगिड (X)

हिंदी भाषा

हिन्दुस्तान की हिंदी भाषा,
सब भाषाओं की प्रथमा भाषा।
संस्कृत से प्रकटी भाषा,
जन-जन स्वांत सरोज की भाषा।
शब्द एक के अर्थ अनेका,
पर्यायवाची से जागत विवेका।
जन हृदय में शुद्ध शब्द धारा,
गाए महिमा यह संसार सारा।

- बृजपाल सिंह (IX)

बेटी की पुकार

बेटी यह कोख से बोल रही, माँ कर दे तू मुझ पर उपकार।
मत मार मुझे जीवन दे दे, मुझे भी देखने दे संसार।
बिन मेरे तू भैया को राखी किससे बंधवाओगी?
मरती रही हर कोख की बेटी तो बहू कहाँ से लाओगी?
बेटी ही बहन, बेटी दुल्हन, बेटी से ही होता परिवार,
मत मार मुझे जीवन दे दे...
मानेंगे पापा भी अब तो तुम बात बताकर देखो तो,
दादी-नानी तुम भी नारी, सबको समझा कर देखो तो।
नारी बिना सूना है सब घर-बार ....
नहीं जानती मैं इस दुनिया को मैंने जाना बस तुमको माँ
मुझे पता है तुझे फिक्र मेरी, तू मार नहीं सकती मुझको।
फिर क्यों इतनी मज़बूर है तू, माँ क्यों है तू इतनी लाचार।
मत मार मुझे जीवन दे दे ...

-छवि बोहरा (X)

स्वरचित कविता: झूठ नहीं तुम सच बोलो

झूठ नहीं तुम सच बोलो।
सच में होती बहुत शक्ति
सच तो लगता सबको अच्छा
झूठ की राह होती है कच्ची
एक पर एक बोलने पड़ेंगे सौ झूठ
झूठ से जाएंगे सब रूठ
कायर की तरह न बोलो झूठ
सच पर कायम है दुनिया पूरी
खुश होते सारे सच बोलने वालों से
झूठ तो सभी बोलते
कम होते सच बोलने वाले।
क्यों घबराते हो सच बोलने से
झूठ तुम कभी न बोलना
हिम्मत करके सच बोलना सीखो
सच की होती सदा ही जीत।

-पूजा बिश्नोई (X)

थकना नहीं

अब तक जैसे पार किए हैं
परिश्रम के पथ।
अब तुम थकना नहीं
टीका-टिप्पणियों की आंधियां चलेगी,
कर्कश तूफ़ान आएगा
पर तुम रुकना नहीं।
कीर्तिमान बन जाए
जब पाठ्यपुस्तिका में तुम्हारे गीत आएं
तब मंजिल को समझ जाना निकट।

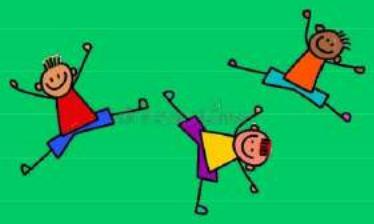

- सपना (XII कला)

बेटियाँ

ईश्वर ने जब बेटियाँ बनाई
सोचा, समझा और अक्ल दौडाई।
दुनिया भर के खजाने उठाए
आकाश-पाताल के नगीने चुराए
परियों की मुस्कान अधरों पर सजाई
नाज़ुक-सी आहट दिल में बसाई।
और
सितारों की झिलमिल आँखों में दबाकर
बेटियाँ बनाई।
इनके लिए घर-आँगन बनाया
अमुआ के वृक्ष पर डाल दिया झूला, कहा-
गाओ मल्हारें, बढ़ाओ पींगे, बुलंद रखो हौंसले...
और फिर पहना दी हाथों में चूड़ियाँ पैरों में पायल।
उम्र के साथ शर्म, बंधन मर्यादा- फिर भी
हे ईश! सुख-समृद्धि व् सौभाग्य से
प्रेम, दया, करूणा से न हो कभी ये विचलित।
इनकी अस्मिता से, सतीत्व से न खेले कोई
न हो कभी अग्नि-परीक्षा ।
रहे बेटी केवल श्रद्धा
जिसके पग तल में हों
विश्वास के रजत नुपूर।

-राजू राठौड़ (XI कला)

भ्रष्टाचार

जो दिख रहा चित्र है, वह बड़ा ही विचित्र है।
हम दोष दूसरों को देते हैं ।
क्या किसी चीज़ की ज़िम्मेदारी हम लेते हैं?
सड़क के किनारे किसी के जुर्म की शिकार
जब करती है तड़पकर चीत्कार
शराफत का नकाब ओढ़े हम कानून की दुहाई देते हैं

और
कुछ दिन बाद मोमबत्ती जलाकर
लोगों से बड़ाई लेते हैं।
माना सर्वत्र व्याप्त है भ्रष्टाचार,
पर किसने दिया जन्म इसे, क्या है इसका आधार?
कौन है जो निज स्वार्थ को तजकर करता है सेवा!
हर काज के पीछे पाना है हर किसी को मेवा।

-हिमांशी (XI कला)

मेरा विद्यालय

मेरा विद्यालय है महान,
सबसे ऊंची इसकी शान।
यहाँ के शिक्षक बहुत महान,
देते हर पल सदा ज्ञान।
अच्छी-अच्छी बातें सिखाते,
सदा सत्य की राह दिखाते।
विद्यार्थी भी नहीं हैं कम,
रखते कुछ करने का दम।
सभी समय पर होते काम,
जिसके अच्छे आते परिणाम।
के. वि. पोकरण है महान,
ऊँची रहे इसकी शान।

-भावेश व्यास (XII विज्ञान)

स्वरचित कविता: सच्चाई पर अडिग रहो तुम

झूठ नहीं तुम सच बोलो
सबके कानों में मिश्री घोलो।
डगर कठिन है सच्चाई की,
किन्तु तुम घबराना मत।
बहुत सरल है राह झूठ की,
किन्तु इस पर तुम जाना मत।
संभल-संभलकर चलने पर
एक दिन मंजिल पा लोगे।

झूठ के रस्ते पर चलकर
पहुँच कहीं न पाओगे।
सच्चाई पर अडिग रहो तुम
और दुनिया की आँखें खोलो,
झूठ नहीं तुम सच बोलो।

-ईशान सिंह (VII)

मेंढक

कूद-कूदकर मक्खी खाता,
खूब नहाता पानी में ।
अन्दर-बाहर बाहर-अन्दर,
खूब उछलता पानी में।
हरे या पीले रंग की,
फ्रोक पहनता पानी में।

एक जगह न रुकता मेंढक,
लोटपोट कर मिट्टी में।
खुश हो जाता पानी में,
पानी ही उसका प्रिय घर है ।
मिलता मम्मी से वह,
जब भी जाता पानी में।

-पूना राम (VIII)

हमारा पोकरण

वीर हनुमान का है कदली वन-धाम पोकरण,
ऋषि-मुनि-योगी-तपस्वी स्वामी की धरा पोकरण।
प्राचीन हवेलियों का गढ़ है पोकरण,
पोखरों और बेरियों का शहर पोकरण।
हलवाइयों की शान, मिठाइयों का मान,
करती चमचम विश्व-विख्यात पोकरण।

पूर्व में नमक का समुद्र, पश्चिम में बाबा रामदेव धाम,
धूणी बालिनाथ की सालम के किनारे पोकरण।
जिसका कण-कण परमाणु के नाम से विख्यात,
सरहद के पहरेदारों का आशियाना पोकरण।

-कपिल पालीवाल (XII कला)

कौन बड़ा

आदमी बोला- मैं बड़ा!
फिर सांप से क्यों डरा?
सांप बोला- मैं बड़ा!
फिर शिवजी के गले में क्यों पड़ा?
शिवजी बोले- मैं बड़ा!
फिर वे हिमालय पर क्यों खड़े?
हिमालय बोला- मैं बड़ा!
फिर रावण से क्यों अड़ा?
रावण बोला- मैं बड़ा!
फिर राम से क्यों डरा?
राम-नाम ही तो बड़ा,
इसलिए इतना लंबा लिखना पड़ा!

-मधु जांगिड (VII)

माँ

घुटनों सी रेंगते-रेंगते
कब पैरों पर खडा हुआ।
तेरी ममता की छाँव में
न जाने कब बड़ा हुआ।
काला टीका दूध-मलाई
आज भी सब कुछ वैसा है।
प्यार यह तेरा कैसा है
सीधा-सादा भोला-भाला
मैं ही सबसे अच्छा हूँ
मैं आज भी तेरा बच्चा हूँ।

-अभिषेक बिश्नोई (IX)

ठण्ड

ठण्ड बहुत गुस्साई
बाहर है कुहरे की चादर,
अन्दर गरम रजाई।
छोड़ रजाई कैसे निकलूँ
ठण्ड बहुत गुस्साई।
मैं तो सोच रहा था
उठकर कसरत रोज़ करूंगा।
सुबह घूमने की खातिर
मैं हँसकर रोज़ उठूँगा।
लेकिन ऐसी शीत लहर से

फूटे रोज़ रुलाई।
मन करता है खेतों में जाकर
मेड़ों पर इतराऊं।
संग मित्रों के अपने
दिनभर खेल रचाऊँ।
अम्मा कहती घर पर रहकर
करो जमकर पढाई।

-इशिता (VII)

वीर शहीद

हाँ, इस देश का वासी हूँ, इस माटी का क़र्ज़ चुकाऊँगा।
जीने का दम रखता हूँ तो मरकर भी दिखलाऊँगा।
नज़र उठाकर न देखना, ऐ दुश्मन मेरे देश को।
मरूँगा मैं ज़रूर पर तुम्हें मारकर ही जाऊँगा।
कसम मुझे इस माटी की कुछ ऐसा मैं कर जाऊँगा।
हाँ, इस देश का वासी हूँ, इस माटी का क़र्ज़ चुकाऊँगा।
सनम होगा मेरा वतन और मैं दीवाना कहलाऊँगा।
माया मैं फंसकर तो मरता ही है हर कोई,
पर तिरंगे को कफ़न बनाकर मैं शहीद कहलाऊँगा।
हाँ, इस देश का वासी हूँ, इस माटी का क़र्ज़ चुकाऊँगा।
मेरे बुलंद हौंसले न तोड़ पाओगे तुम
क्योंकि मेरी शहादत ही मेरा धर्म है।
इस माटी का बेटा हूँ मैं इस माटी में ही मिल जाऊँगा।
आँख उठाकर देखे कोई, सबको मार गिराऊंगा।
भारत का वासी हूँ मैं अब चुप नहीं रह पाऊँगा।

-अभिषेक बिश्नोई (IX)

ऐसा नाम करो जग में

केन्द्रीय विद्यालय करे तुम हो दीपक ज्योतिमान,
ऐसा नाम करो जग में कि हो सबको अभिमान।
हैं नई राहें फैलाएं बाँहें पुकारे तुमको आज,
है नया गगन फैलाए पंख ले लो अपनी परवाज़।
लेकर आशीष गुरुजन का हो जाओ आयुष्मान,
ऐसा नाम करो जग में कि हो सबको अभिमान।
के. वि. के इस आँगन में तुमने गुरुमंत्र हैं पाएं,
तुम जाओ जहाँ हो सफल वहाँ महकाओ सारी दिशाएँ।
तत्त्वं पूषण अपावृणु का करो सार्थक गान,
ऐसा नाम करो जग में कि हो सबको अभिमान।

-चंद्रपाल सिंह (IX)

खुशी

दूर-दूर तलाश उसकी
जो बिलकुल पास है।
वह चारों ओर बिखरी पड़ी है
किन्तु दिखाई नहीं देती।
इतना सरल है इसका अर्थ
किन्तु जटिल और कठिन
बनाया दिया नासमझी ने।
खुशी हमारे भीतर है,
पर भविष्य की चिंता
वर्तमान की चाहतों में
पल-पल की खुशी लुट गई।
ख़ुशी एक अहसास है
रूप बदल-बदलकर
पास से गुजरती है।
कभी ध्वनि बनकर

कभी महक-स्पर्श बनकर
तन-मन विभोर करती है।
कभी कंपकंपाती ठण्ड में
धूप का एक टुकडा,
कभी तपती गर्मी में
अचानक घुमड़ आए
बादलों से हलकी सौंधी फुंहारें।
कभी बच्चे की किलकारी,
कभी आँगन में चिड़ियाँ की चहचहाट।
कभी चंद पलों की गहरी नींद,
दे जाती है खुशी का अहसास।
खुशी तो पहचान है,
जिस पल 'मैं' को पहचाना
वह खुशी है।

- प्रिया शेखावत (XII विज्ञान)

हँसो हँसो

बेटाः पापा, आप खोज रहे हो?
पापा: डॉक्टर का बिल।
बेटाः क्या डॉक्टर बिल में रहता है?

संता (बंता से) क्या राज साहब के घर के दरवाजे की घंटी ठीक कर आए?
बंता: कैसे करता, मैं काफी देर तक घंटी बजाता रहा पर किसी ने दरवाजा ही नहीं खोला।

सोनू: तुझे सबसे ज्यादा इज्जत कौन देता है?
मोनू: अलमारी में रखे कपड़ देते हैं।
सोनू: वह कैसे?
मोनू: जब भी खोलता हूं तो 2-3 कपड़े आकर कदमों में गिर जाते हैं

मोटू समोसे को खोलकर अंदर का मसाला ही खा रहा था।
पतलू- अरे! तू पूरा समोसा क्यों नहीं खा रहा?
मोटू- अरे मैं बीमार हूं ना... इसलिए डॉक्टर ने बाहर की चीज खाने से मना किया है।

संकलन: मधु जांगिड़ (VII)

अच्छे बच्चे

अच्छे बच्चे रहते साफ़,
गन्दी नहीं करते क्लास।
हँसते-हँसते पढ़ने जाते,
कभी नहीं रोते-चिल्लाते।
पर्यावरण का पाठ सीखते,
पेड़-पौधों को पानी देते।
माता-पिता का हाथ बंटाते,
शीश नवाकर पढ़ने जाते।
पढ़-लिखकर सीधे घर आते,
कभी किसी को नहीं सताते।
हरदम रहते हैं मुस्काते,
गुरुजनों की आज्ञा मानते।
दादा-नानी से कहानियां सुनते,
नैतिकता जीवन में लाते।
काम समय पर अपना करते,
सदा समय का पालन करते।
सूझबूझ संग वे जीवन जीते,
स्वस्थ खाते स्वस्थ ही पीते।
अपने जीवन का अर्थ समझकर
जीवन को खुशहाल बनाते।

-राजू राठौड़ (XI कला)

दोस्ती हमारी

दोस्ती हमारी
महकती रहे,
लहकती रहे,
दहकती रहे,
चाँद की तरह
चमकती रहे।
दोस्ती हमारी, दोस्ती हमारी।

दोस्ती हमारी
फलती रहे,
चलती रहे,
पलती रहे,
सूरज की तरह
निकलती रहे।
दोस्ती हमारी, दोस्ती हमारी।

दोस्ती हमारी
छलकती रहे,
थिरकती रहे,
लरज़ती रहे,
बादल की तरह
गरजती रहे।
दोस्ती हमारी, दोस्ती हमारी।

-प्रियदर्शिनी (VIII)

सच्ची खुशी

खुशी एक ऐसा शब्द है जिसे पाने के लिये -
हर कोई तरसता है।
अपनी खुशी की तो सब को फ़िक्र रहती है।
लेकिन दूसरों की नहीं।
असली खुशी तो तब मिलती है जब -
दूसरों की खुशी का भी ध्यान रखा जाये।
और दूसरों को भी खुश रखने की कोशिश की जाये।
दूसरों को भी खुश, रखा जाये।
उससे ही सच्ची खुशी मिलती है॥

-प्रवीण (XII विज्ञान)

स्वरचित: सच का साथ कभी न छोड़ो

झूठ नहीं तुम सच बोलो,
अपने सिद्धांतों को मत भूलो।
धर्म-कर्म सब यही बताए,
झूठ बोले वह पछताए।
सच को दो तुम सदा मान,
झूठ न पाए कहीं सम्मान।
झूठ का होता है पर्दाफ़ाश
झूठ नहीं तुम सच बोलो
सच का साथ कभी न छोड़ो।

-विपुल बिश्नोई (XII विज्ञान)

समय

समय बहुत कीमती है
धन को बर्बाद करने पर तो,
इंसान निर्धन हो जाता है।
लेकिन समय को बर्बाद,
करने से इंसान जीवन का...
एक हिस्सा गँवा देता है।
समय बहुत क़ीमती है।
पल पल उसका उपयोग,
करना चाहिए ...
अच्छे काम में लगाना चाहिए।

-प्रणव जोशी (VII)

दीपक

माना मेरी रोशनी मंद है,

माना मेरे जीने की उम्र चन्द है।

फिर भी नहीं हूँ तन्हा यहाँ,

मैं नहीं मेरे जैसे दीपक अनंत हैं।

उम्र कम है फिर भी जलना सीखा है,

जीने की चाहत में मरना सीखा है।

आये तूफ़ान कितने ही मेरे जीवन में,

इन्हीं तूफानों से निरंतर लड़ना सीखा है।

जब-जब जरुरत होगी, खुद को जलाता रहूंगा,

खुशियों के पलों को यूं ही महकाता रहूँगा।

-निशांत (V)

ऐसे बने पर्यावरण प्रेमी

- ✓ कागज़ फाड़े या जलाए नहीं, बल्कि उसे रद्दी में बेच दें, ताकि उसका दुबारा उपयोग हो सके।
- ✓ गिलास में उतना ही पानी लें, जितना पीना हो, ताकि फेंकना न पड़े।
- ✓ एक ही कमरे में जहाँ तक संभव हो, घर के सभी सदस्य खाना खाए, पढ़े, या आराम करें। ताकि अलग-अलग बिजली, पंखा चलाकर ऊर्जा का दुरूपयोग न हो।
- ✓ दिन की रोशनी में ही अधिक से अधिक कार्य करें।

- ✓ पूरा अँधेरा हो जाने पर ही बिजली जलाएँ।
- ✓ जहाँ तक संभव हो, व्यक्तिगत वाहनों के स्थान पर सार्वजनिक वाहनों का उपयोग करें।
- ✓ सौर ऊर्जा का प्रयोग अधिकतर करने का प्रयास करें।
- ✓ बिना टोंटियों के नलों में टोंटियाँ लगाएं और खुली न छोड़ें, ताकि व्यर्थ पानी न बहे।
- ✓ प्रयास करें कि वर्ष में कम से कम एक पौधा अवश्य लगाएं।

- ✓ यदि संभव हो तो नहाने के लिए शावर का प्रयोग करे।
- ✓ फ्रिज में रखा खाना पहले थोड़ी देर बाहर रखें, बाद में गर्म करें।
- ✓ फूल न तोड़े, पुष्पहारों की पद्धति न अपनाएं।
- ✓ धीरे बोलें, लाउडस्पीकर का प्रयोग न करें।
- ✓ प्रेशर कुकर में खाना बनाएं और 75 प्रतिशत समय व ईंधन बचाएं।
- ✓ खाना ढक्कनदार बर्तनों में पकाएं, जिससे ईंधन व समय बचेगा।

-दिव्या लाखीवाल (VIII)

सबसे प्यारा मेरा देश

सबसे प्यारा मेरा देश,
सजा - संवरा मेरा देश॥
दुनिया जिस पर गर्व करे,
नयन सितारा मेरा देश॥
चांदी - सोना मेरा देश,
सफ़ल सलोना मेरा देश॥
सुख का कोना मेरा देश,
फूलों वाला मेरा देश॥
झूलों वाला मेरा देश,
गंगा यमुना की माला का मेरा देश॥
फूलों वाला मेरा देश
आगे जाए मेरा देश॥
नित नए मुस्काएं मेरा देश
इतिहासों में नाम लिखायें मेरा देश॥

- नंदिनी देवल (X)

जरा सा मुस्कुरा दो

जरा सा मुस्कुरा दो
मुस्कुराहट मे जो ताकत है।
वो क्रोध में कहा।
जरा सा मुस्कुरा दो।
सब को अपना बना लो।
हर किसी का दिल जीत सकते है।
हर बात का जवाब दे मुस्कुरा कर-
दुश्मन भी दुश्मनी भूल जाते है॥
अगर बात करे उनसे मुस्कुरा कर।
हमेशा चेहरे पर मुस्कुराहट रखो।
चाहे हो खुशी या गम।
चेहरा भी सुंदर लगता है।
हर किसी से प्रेम बढ़ता है।
जरा सा मुस्कुरा दो।
आज का दिन भी सुंदर बना लो।
हमेशा मुस्कुराओ जिंदगी मे-
खुशियों के फूल सजा दो॥

-ईशा (VI)

पहेलियाँ

1. रंग है मेरा काला,
उजाले में दिखाई देती
हूँ, अँधेरे में छिप
जाती हूँ.

2. सुबह सुबह ही आता हूँ,
दुनिया की ख़बरें लाता हूँ.
सबको रहता मेरा इंतजार,
हर कोई करता मुझसे
प्यार.

3. क्रोध से सब को दुःख
देते हैं, प्यार से सब को
सुख देते हैं, सच भी हम
हैं, झूठ भी हम हैं. बताओ
तो हम हैं क्या?

4. हरे रंग की टोपी मेरी,
हरे रंग का है दुशाला,
जब पक जाती हूँ मैं तो
हरे रंग की टोपी, लाल रंग
का होता दुशाला मेरे पेट
में रहती मोती की माला

5. पैर हैं पर लंगड़ी
हूँ, मुँह है पर मौन
हूँ. बतलाओ तो मैं
कौन हूँ ?

उत्तर:

1. परछाई 2. अखबार
3. शब्द 4. हरी मिर्ची 5.
गुडिया

संकलन: भावना (VII)

सेवा-भाव

कैंकर्य लक्षण विलक्षण मोक्ष भाज:|

अर्थात जब मनुष्य में कैंकर्य भाव या सेवा भाव उत्पन्न हो जाता है तो वह मोक्ष का अधिकारी बन जाता है|

सेवा का साधारण अर्थ है कि दूसरों को ईश्वर का अंश मानते हुए उनकी भलाई के लिए कार्य करना| शरणागत भाव से की गई सेवा और स्मरण परमात्मा प्राप्ति का सर्वोपरि साधन है| महान ऋषि मुनियों ने परमात्मा स्मरण से अधिक सेवा का महत्त्व माना है क्योकि उनका मानना है कि सेवा में स्मरण स्वतः हो जाता है और सच्चे मन से सेवा करने से अहंकार का नाश भी हो जाता है जो परमात्मा प्राप्ति में सबसे बड़ा बाधक है|

मित्रो सेवा भाव ही था जिसके कारण हनुमान जी रावण से अधिक श्रेष्ठ बने और अष्ट सिद्धि, नव निधि के दाता बन गए| सेवा के वशीभूत होकर ही भगवान श्रीकृष्ण ने स्वयं युधिष्ठिर के राजसूय यज्ञ में पत्तल उठाई थी और यश को प्राप्त किया था| सेवा कार्य से ही उत्तम जीवन मूल्यों की स्थापना होती है| सच्चे मन से पूर्ण स्वार्थ रहित सेवा करने वाला व्यक्ति सामाजिक जीवन के पाँच मुख्य मूल्यों - अहिंसा, सत्य, अस्तेय, ब्रह्मचर्य और अपरिग्रह का जीवंत प्रतीक बन जाता है|

समाज के सुंदर निर्माण और भविष्य में उन्नति के लिए बच्चों में बचपन से ही सेवा-भाव का विकास करना अत्यंत आवश्यक है| जिन बच्चों में प्रारम्भ से सेवा की भावना विकसित कर दी जाती है वे आगे चलकर अपने सेवा-भाव से समाज और देश में प्रतिष्ठा के पात्र बनते है| तन, मन और वाणी से दूसरो की सेवा में तत्पर रहने वालो के लिए सफलता के द्वार आगे से आगे खुलते चले जाते है| सामाजिक प्राणी होने के कारण बच्चे से लेकर बूढ़े तक प्रत्येक मनुष्य में सेवा और सहयोग के कुछ संस्कार होते है, किन्तु वे जगाए न जाने के कारण प्रत्यक्ष नहीं हो पाते है| इस सेवा - भाव को विकसित करने के लिए परिवार और विद्यालय सबसे सुंदर स्थान है| माता-पिता और गुरुजनों की प्रेरणा से सेवा-भाव के संस्कार शीघ्र जाग सकते है|

इस तरह हम सेवा-भाव से एक स्वस्थ राष्ट्र और समाज का नेतृत्व करते है| अतः हमें अपने आपको क्या वर्तमान और क्या भविष्य में होने वाले किसी लाभ की भावना से मुक्त रखते हुए निःस्वार्थ सेवा का भाव हमारे मन में स्थायी करना जिससे हमारा समाज हमेशा प्रगति करता रहे|

-श्री राकेश कँवरिया (टीजीटी हिंदी)

परम वीर चक्र (पीवीसी)

परम वीर चक्र सैन्य सेवा तथा उससे जुड़े हुए लोगों को दिया जाने वाला भारत का सर्वोच्च वीरता सम्मान है। यह पदक शत्रु के सामने अद्‌वितीय साहस तथा परम शूरता का परिचय देने पर दिया जाता है। 26 जनवरी 1950 से शुरू किया गया यह पदक मरणोपरांत भी दिया जाता है।

शाब्दिक तौर पर परम वीर चक्र का अर्थ है "वीरता का चक्र" । संस्कृति के शब्द "परम", "वीर" एवं "चक्र" से मिलकर यह शब्द बना है।

यदि कोई परम वीर चक्र विजेता दोबारा शौर्यता का परिचय देता है और उसे परम वीर चक्र के लिए चुना जाता है तो इस स्थिति में उसका पहला चक्र निरस्त करके उसे रिबैंड दिया जाता है। इसके बाद हर बहादुरी पर उसके रिबैंड बार की संख्या बढ़ाई जाती है। इस प्रक्रिया को मरणोपरांत भी किया जाता है। प्रत्येक रिबैंड बार पर इंद्र के वज्र की प्रतिकृति बनी होती है, तथा इसे रिबैंड के साथ ही लगाया जाता है।

परम वीर चक्र को अमेरिका के सम्मान पदक तथा यूनाइटेड किंगडम के विक्टोरिया क्रॉस के बराबर का दर्जा हासिल है।

फ्लाईंग ऑफिसर निर्मलजीत सिंह सेखो यह प्रतिष्ठित सम्मान पाने वालों में से एक हैं। उन्हें 1971 में मरणोपरांत परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया। वे भारतीय वायु सेना के एकमात्र ऐसे ऑफिसर है जिन्हें परम वीर चक्र से सम्मानित किया गया है।

-तेजस्व सिन्हा (VIII)

पानी रे पानी

- शुद्ध पानी में कोई गंध और स्वाद नहीं है, इसका पीएच स्तर भी लगभग 7 होता है।
- पानी का घनत्व 3.98 °C पर अधिकतम होता है।
- पृथ्वी का सबसे ज्यादा विस्तार (71%) पानी ने कवर किया हुआ है।
- एक मानव भ्रूण के शरीर का पहले महीनों में लगभग 95% पानी और जन्म के समय 77% हिस्सा पानी से बना होता है।
- मानव द्वारा उपयोग किए जाने वाले ताजे पानी का लगभग 70% कृषि में उपयोग किया जाता है।
- मानव शरीर में शरीर के आकार के आधार पर 55% से 78% पानी होता है।
- पानी पारदर्शी होने के कारण ही जलीय पौधों को सूरज की रोशनी मिलती रहती है और जलीय पौधे पानी के अंदर जीवित रह सकते है।
- एक जेलीफ़िश और एक ककड़ी 95% पानी से बनी होती है।
- एक टन स्टील का उत्पादन के लिए 235 टन पानी की आवश्यकता होती है।
- एक ही समय पर 6 लीटर से अधिक पानी पीना मृत्यु का कारण भी बन सकता है।
- जब पानी जम जाता है तो उसका घनत्व कम हो जाता है। यही कारण है कि अति ठंडे प्रदेशो के तालाब में ऊपर की ओर बर्फ जमा होता है जो पानी में तैरता है और नीचे की ओर पानी होता है जिसकी वजह से जलीय जीव अंदर जीवित रह सकते हैं।
- शुद्ध पानी स्वाद में फीका होता है जबकि झरने का पानी या मिनरल वाटर का स्वाद इनमे मिले खनिज लवणों के कारण होता है।
- पेट्रोल की तुलना में पानी भारी है क्योंकि पेट्रोल में पानी की तुलना में कम घनत्व होता है। इसलिए पानी के ऊपर पेट्रोल तैरने लगता है।
- पृथ्वी पर का पानी पृथ्वी के तापमान को नियंत्रित करने में मदद करता है।

-लक्षिता सिंह (X)

पाठ्य सहगामी गतिविधियां

सत्र 2019-20 की पाठ्य सहगामी गतिविधियाँ

नृत्य कार्यशाला

दिनांक 23.04.2019 को विद्यालय में गैर सरकारी संगठन 'रूट्स टू रूट्स' के सहयोग से नृत्य कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें प्रसिद्ध कत्थक नृत्यांगना प्रेरणा राठी ने बच्चों को कत्थक के गुर सिखाए।

पुस्तक उपहार कार्यक्रम

दिनांक 27.04.2019 को विद्यालय के बच्चों ने उपयोग में ली गई पाठ्यपुस्तकों को अपने साथियों को उपहारस्वरूप भेंट किया। विद्यार्थियों में मैत्री-भाव बढ़ाने वाला व प्रकृति की सेवा का यह अनूठा कदम है।

पठन दिवस एवं माह का आयोजन

विद्यालय में दिनांक 25.06.2019 से पठन दिवस मनाने के साथ पठन माह का शुभारंभ हुआ, जिसमें बच्चों के लिए पठन को प्रेरित करने वाले कार्यक्रम हुए।

विधिक साक्षरता कार्यशाला

दिनांक 26.06.2019 को तालुका विधिक सेवा समिति, पोकरण की ओर से विद्यालय में आयोजित विधिक साक्षरता कार्यशाला में ग्राम न्यायालय सांकड़ा के न्यायाधिकारी जितेंद्र कुमार ने विद्यार्थियों को मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाओं व नशा मुक्ति के संबंध में जानकारी दी।

स्वस्थ बच्चे स्वस्थ भारत

दिनांक 11.07.2019 को स्वस्थ बच्चे स्वस्थ भारत के तहत बच्चों का विभिन्न मानकों के आधार पर परीक्षण कर डाटाबेस तैयार किया गया.

सघन वृक्षारोपण

विद्यालय में दिनांक 12.07.2019 को सघन वृक्षारोपण अभियान चलाया गया जिसके अंतर्गत नीम व् शीशम प्रजाति के 200 से अधिक पौधे लगाए गए.

'एक भारत श्रेष्ठ भारत' के तहत कार्यक्रम

दिनांक 17.07.2019 को एक भारत श्रेष्ठ भारत के तहत विद्यालय में सामाजिक विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। प्रदर्शनी में विद्यार्थियों ने आंध्रप्रदेश व कनाडा के इतिहास, भाषा, संस्कृति, जनजीवन को दर्शाती खोजपरक सामग्री का प्रदर्शन किया

पुलिस कैडेट कार्यक्रम

दिनांक 17.07.2019 को पुलिस कैडेट कार्यक्रम के तहत पुलिस उपाधीक्षक श्री मोटाराम गोदारा ने पुलिस व्यवस्था कार्यप्रणाली, समाज में भूमिका, नागरिकों के कर्तव्य, कानूनी प्रावधानों के बारे में जानकारी दी।

छात्र परिषद् का अलंकरण समारोह

दिनांक 27.07.2019 को विद्यालय में नवगठित छात्र परिषद के सदस्यों के लिए अलंकरण समारोह का आयोजन हआ, जिसमें परिषद के पदाधिकारियों को शपथ दिलाई गई तथा बैज व सेश प्रदान किए गए।

संस्कृत सप्ताह

विद्यालय में दिनांक 13.08.2019 से आरंभ संस्कृत सप्ताह के तहत देववाणी संस्कृत को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम व प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्कृत भाषा की वैज्ञानिकता पर प्रकाश डाला गया।

मादक पदार्थों की रोकथाम विषयक कार्यशाला

दिनांक 14.08.2019 को विद्यालय में केंद्रीय विद्यालय संगठन व राष्ट्रीय सामाजिक सुरक्षा संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में नशीली दवाओं के दुरुपयोग संबंधी जागरूकता लाने के लिए कार्यशाला का आयोजन हुआ, जिसमें व्याख्यान, केस स्टडी, विभिन्न प्रतियोगिताएं संपन्न हुई।

स्वतंत्रता दिवस समारोह

विद्यालय में 73वाँ स्वतंत्रता दिवस समारोह बड़े हर्षोल्लास से मनाया गया.

स्वच्छता पखवाड़ा

विद्यालय में दिनांक 03.09.2019 से 16.09.2019 तक स्वच्छता पखवाड़ा मनाया गया, जिसमें रैली, हरित विद्यालय अभियान, स्वच्छता भागीदारी, हस्तप्रक्षालन दिवस, व्यक्तिगत साफ़-सफाई, स्वच्छता ही सेवा, स्वच्छता कार्यवाही दिवस, पत्र लेखन, प्रदर्शनी सहित विभिन्न कार्यक्रम संपन्न हुए।

हिंदी पखवाड़ा आयोजन

विद्यालय में दिनांक 04.09.2019 से 17.09.2019 तक हिंदी पखवाड़ा मनाया गया, जिसमें हिंदी को समर्पित विभिन्न कार्यक्रम एवं गतिविधियां संपन्न हुई। पखवाड़े के दौरान काव्य पाठ, आशुभाषण, निबंध, चित्रकला, प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिनमें बच्चों व शिक्षकों-कार्मिकों ने बढ़-चढ़कर भाग लिया। समापन समारोह में विजेताओं प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया।

जल संवर्धन विषयक कार्यशाला

विद्यालय में दिनांक 13.09.2019 को ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय के सहयोग से जल संवर्धन विषयक कार्यक्रम में विश्वविद्यालय के साधकों ने जल की महत्ता, जल संरक्षण की आवश्यकता व जल संवर्धन की तकनीकी की जानकारी दी।

गांधी जी की 150वीं जयंती पर कार्यक्रम

विद्यालय में दिनांक 23.09.2019 से 02.10.2019 तक गांधी जी की 150वीं जयंती के उपलक्ष्य में सर्वधर्म प्रार्थना सभा, संदेशपरक लघु नाटक, व्याख्यान, गीत, पुस्तक-समीक्षा, भाषण व वाद विवाद प्रतियोगिता, चित्र-प्रदर्शनी, प्लोगिंग दौड़ सहित विभिन्न कार्यक्रम संपन्न हुए।

"प्रकृति" कार्यक्रम

विद्यालय में दिनांक 27.09.2019 को शुष्क वन अनुसंधान संस्थान (आफरी) जोधपुर के सहयोग से प्रकृति कार्यक्रम का आयोजन हुआ, जिसमें बच्चों को पौधरोपण की सही तकनीक व व्यावहारिक जानकारी दी गई। इस अवसर पर प्रदर्शनी लगाई गई, जिसमें पौधों की पहचान, वृक्षों के विभिन्न अवयवों, खेजड़ी की भूमिका, पारिस्थितिकी तंत्र आदि के संबंध में जानकारी दी गई।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह

दिनांक 28.10.2019 से 02.11.2019 तक सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया। सप्ताह में शिक्षकों-कार्मिकों ने सत्यनिष्ठा की प्रतिज्ञा ग्रहण की। सप्ताह के दौरान निबंध व नारा लेखन प्रतियोगिता आयोजित हुई।

राष्ट्रीय एकता दिवस

दिनांक 31.10.2019 को लौह पुरुष सरदार वल्लभ भाई पटेल की जयंती राष्ट्रीय एकता दिवस के रूप में हर्षोल्लास से मनाई गई। सरदार पटेल के व्यक्तित्व व कृतित्व को याद किया गया। प्राचार्य श्री गजेन्द्र जोशी द्वारा राष्ट्रीय एकता की शपथ दिलाए गई। इस अवसर पर रैली व एकता दौड़ का आयोजन भी किया गया।

झंडा दिवस

दिनांक 07.11.2019 को विद्यालय में 'प्लास्टिक मुक्त भारत' थीम पर केंद्रित स्काउट-गाइड द्वारा झंडा दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन हुआ।

राष्ट्रीय शिक्षा दिवस

विद्यालय में दिनांक 11.11.2019 को शिक्षाविद मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती को राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाया गया। आजाद का स्मरण करते हुए विद्यार्थियों ने शिक्षाप्रद कहानी कथन प्रतियोगिता व भाषण प्रतियोगिता में उत्साहपूर्वक भाग लिया।

संकुल स्तरीय बाल मेला

दिनांक 14.11.2019 बाल दिवस के अवसर पर जैसलमेर उप-संकुल स्तरीय बाल मेले में केंद्रीय विद्यालय वायुसेना जैसलमेर, केंद्रीय विद्यालय, डाबला, केंद्रीय विद्यालय, रामगढ़, केंद्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल पोकरण के विद्यार्थियों ने विभिन्न सांस्कृतिक व खेलकद प्रतियोगिताओं में भाग लिया।

सोहन लाल शर्मा

(पाठ्य सहगामी गतिविधि समन्वयक)

संस्कृत अनुभाग

आचार्य: देवो भव:

किम् अस्ति तत् पदम्

य: लभते इह सम्मानम्

किम् अस्ति तत् पदम्

य: करोति देशानाम् निर्माणाम् ।

किम् अस्ति तत् पदम्

यम् कुर्वन्ति सर्वे प्रणामम्

किम् अस्ति तत् पदम्

यस्य छायायां प्राप्तम् ज्ञानम् ।

किम् अस्ति तत् पदम्

य: रचयति चरित्र जनानाम्

"गुरु" अस्ति अस्य पदस्य नाम

सर्वेषाम् गुरुणाम् मम शत शत प्रणाम: ।

हिमांशी (XI कला)

सदाचार:

सज्जना: यानि यानि सत्कार्याणि कुर्वंति, स सदाचार: उच्यते| सदाचारी नर: कीर्ति लभते| प्रात: काले उत्थाय मातापितरौ वृद्धान्, गुरुन्,च प्रणमेत्| तेषां आज्ञान् पालयेत्, तान् सेवेत् च| सदाचारिण: सर्वेषाम् प्राणिनामुपकारं करोति| सदाचारेण मानवजीवनस्य सर्वविधा उन्नति: भवति| अतएव सदाचार: उन्नत्या: द्वारमस्ति| सदाचारेनैव जना: प्रियं मधुरं च वदन्ति| सदाचारविहीना: जना: सर्वत्र पशुतुल्य: भवति| सदाचारेण एव श्रीराम: मर्यादा पुरुषोत्तम: अभवत्| सदाचारेण एव महर्षि: दधीचि:, गांधी महोदयश्च यश: शरीरेण अद्यापि जीवित:| सदाचारिण: सर्वत्र आदरं लभन्ते| सदाचारस्य महिमानं वर्णयितुं क: अपि न शक्नोति| अत: अस्माभि: सर्वभावेन सदाचार: पालनीय:|

मैना विश्नोई, IX

एकता

मतभेदस्य विरोधस्य वा अभाव: एकता इति उच्यते| एकताया: अपरं नाम "ऐक्यं सङ्घन" वा इत्यपि वर्तते| मनुष्याणाम् सांसारिकजीवनस्य कृते एकता महान् लाभकारी गुण: अस्ति| यदि संसारे मनुष्येषु एकता न स्यात् तर्हि तेषाम् एकदिनस्यापि जीवनं कठिनं सम्पद्येत| एकतायां महती शक्ति: भवति| यत् कार्यं एकेन न कर्तुम् शक्यते तद् बहूनां सम्मिलितेन समुदायेन सुगमतया एव भवति|

वर्तमानसमये एकताया: महान् अभाव: अस्ति| परिवारे समाजे देशे संपूर्णे संसारे च सर्वत्र एव अनेकताया: मतभेदस्य च भयंकर: झंझावात: प्रवाहमान: दृश्यते| एतस्य प्रधानं कारणं तु स्वार्थपरता एव अस्ति| सर्वे स्वकीयमेव हितं पश्यन्ति न अन्येषाम्| अत: एकताया: स्थापनाय परस्परं स्नेह, सौहार्द च वर्धनाय स्वार्थ साधनेन सहैव परेषामपि स्वार्थ रक्षणाय उपरि ध्यादानं परमं आवश्यकं वर्तते|

ममता बिश्नोई, IX

प्रकृतिः

प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
बहूनाम् अपि फलानाम्
बहूनाम् अस्ति वृक्षाणाम्
पुष्पाणाम् च अपि मानेयम् ॥

भ्रमराणाम् पशुनां
पक्षिणाम् च मानास्ति
जनेभ्यः जीवनं सदा
ददाति प्रकृति माता ॥

अस्ति सा तु मनोहरी
मातृणाम् अपि मानास्ति
प्रकृतिः माता सर्वेषाम्
नमोस्तु ते मात्रे प्रकृत्यै ॥

तनिषा जोशी, IX

अद्भुत् स्वपन?

राजीवस्य अद्भुतं स्वपनम्
सिंहो वदति म्याऊँ म्याऊँ
हस्ती धावति यथा चित्रकः
सर्पः वदति भौ भौं भाऊ ।
भल्लूकः दुर्बलः तथा यत्
यथा चमरपुच्छा संजातः
मूषकभीता धावति मार्जारी
शशकः धावति शृंगयुतः ॥

गिरीश, VI

शरीरस्य अंगानां नामानि

संस्कृत	हिन्दी	ENGLISH
केश:	बाल	Hair
नयनम्	आँख	Eye
नासिका	नाक	Nose
श्रोत्रम्	कान	Ear
ओष्ठ	होठ	Lips
ग्रीवा	गर्दन	Neck
रदन:	दाँत	Teeth
अंगुलि	उँगली	Finger
उदर:	पेट	Belly
स्कन्ध:	कंधा	Shoulder

मधु जाँगिड, VII

फलानाम् नामानि

संस्कृत	हिन्दी	English
द्राक्षाफलम्	अंगूर	Grapes
आम्रम्	आम	Mango
नारंगम्	नारंगी	Orange
कदलीफलम्	केला	Banana
जम्बुफलम्	जामुन	Black Plum
मधुकर्कटी	पपीता	Papaya
सेवम्	सेव	Apple
कालिदन्दम्	तरबूज	Watermelon
आग्रलम्	अमरूद	Guava
खर्बुजम्	खरबूज	Muskmelon

रोहिणी, VII

प्रहेलिका:

कस्तुरी जायते कस्मात् ?
को हन्ति करिणा कुलम् ?
कि कुर्यात् कातरो युध्दे ?
मृगात् सिंह पलयाते ||
(मृगात् सिंह पलयाते)

सीमंतिनिषु का शांता ?
राजा को अभूत् गुणोत्तमः ?
विद्वद्भिः का सदा वंद्या?
अत्रैवोक्तं न बुध्यते ||
(सीता, रामः विद्या च)

कं सञ्जघान कृष्णः ?
का शीतलवाहिनी गङ्गा ?
के दारपोषणरता ?
कं बलवन्तं न बाधते शीतम् ||
(कंसः काशीः केदारः च)

वृक्षाग्रवासी न च पक्षीराजः,
त्रिनेत्रधारी न च शुलपाणिः |
त्वग्वस्त्रधारी न च सिध्दयोगीः,
जलं च बिभ्रन्न घटो न मेघः ||
(नारिकेलफलम्)

भोजनान्ते च किं पेयम् ?
जयंतः कस्य वै सुतः ?
कथं विष्णुपदं प्रोक्तम् ?
तक्रम् शक्रस्य दुर्लभम् ||
(तक्रम् शक्रस्य दुर्लभम्)

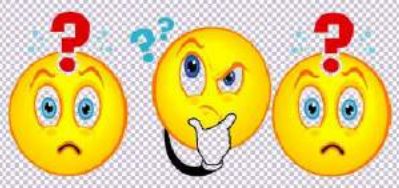

पूजा बिश्नोई, X

प्रियं भारतं

प्रकृत्या सुरम्यं विशालं प्रकामम्
सरितारहारैः ललालं निकामम्,
हिमाद्रिः लालटे पदे चैव सिन्धुः
प्रियं भारतं सर्वथा दर्शनीयम् ।

धनानां निधानं धरायां प्रधानम्
इदं भारतं देवलोकेन तुल्यम्,
यशो यस्य शुभ्रं विदेशेषु गीतम्
प्रियं भारतं तत् सदा पूजनीयम् ।

अनेके प्रदेशा अनेके च वेषाः
अनेकानि रूपाणि भाषा अनेकाः,
परं यत्र सर्वे वयं भारतीयाः
प्रियं भारतं तत् सदा रक्षणीयम् ।

सुधीरा जना यत्र युध्देषु वीराः
शरीरार्पणेनापि रक्षन्ति देशम्,
स्वधर्मानुरक्ताः सुशीलाश्च नार्यः
प्रियं भारतं तत् सदा श्लाघनीयम् ।

वयं भारतीयाः स्वभूमिं नमामः
परं धर्ममेकः सदा मानयामः,
यदर्थं धनं जीवनं चार्पयामः
प्रियं भारतं तत् सदा वंदनीयम् ।

धुविता, VII

सरलमानकसंस्कृतम् (गीतम्)

वदतु मित्रका संस्कृते
सरलमानकसंस्कृतम् ।
लसतु निजहृदि सततमीदृशम्
सरलमानकसंस्कृतम् ।

लिखतु मित्रक संस्कृतं
सरलमानकसंस्कृतम् ।
लिखतु सार्थकगद्यपद्यमय
सरलमानकसंस्कृतम् ।

संस्कृतेन् लघु संस्कृतं
पाठयन्तु नवशिक्षकाः ।
लसतु शिष्यगणेषु सोज्वल
सरलमानकसंस्कृतम् ।

संस्कृतस्य तु पोषणेन खलु
पोषयेम निजमानसम् ।
संस्कृताय समर्पये निज
सत्वशुद्धिभरजीवितम् ।

हर्षिता, VII

चिरादपि वरं शिक्षा

एक: अलस: बालक: आसीत् | स: विद्यालयं न अगच्छत् | प्रतिदिनं स: उपवनम् अगच्छत् अखेलत् च | एकदा स: उपवने काकमेकम् अपश्यत् | "अरे काक:!" अत्राहम् एकाकी अस्मि | अहम् केन सह खेलिष्यामि| आगच्छ मया सह खेल |" इति स: काकम् अवदत् | किन्तु स: काक: "मम कार्यं अस्ति, अहं गच्छामि " इति उक्त्वा अगच्छत् |

तत: स: बालक: सारमेयं, शुकम्, वानरं चापि खेलितुम् आहूतवान्|

परंतु ते सर्वे काकवत् उक्त्वा अधावन् |

अंतत: स: अलस: एकां पिपीलिकां दृष्ट्वा खेलितुम् प्रार्थनाम् अकरोत् | पिपीलिका अवदत् इदानीमेव धान्यसंपादनाय गमिष्यामि | अहं न त्वादृशी अलसा अस्मि | त्वमेव खेल | इति तत: प्रभृति स: बालक: विद्यालयं अगच्छत् | श्रध्दया स्वपाठान् अपठत् | क्रमश: स: पण्डित: अभवत् |

आदित्य, IX

माँ

माँ, माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार:
न त्वया सदृश्य: कस्या:स्नेहम् ,
करुणाया: ममताया: त्वम् मूर्ति: ,
न क: अपि कर्त्तुम् शक्नोति तव क्षतिपूर्ति |

तव चरणयो: मम जीवनम् अस्ति ,
माँ शब्दस्य महिमा अपार:,
न माँ सदृश्य: कस्या: प्यार:,
माँ त्वम् संसारस्य अनुपम् उपहार: |

खुशी, VI

लोकहितम् मम करणीयम्

मनसा सततम् समरणीयम्
वचसा सततम् वदनीयम्
लोकहितम् मम करणीयम् ||
न भोग भवने रमणीयम्
न च सुख शयने शयनीयम् |
अहर्निशं जागरणीयम्
लोकहितम् मम करणीयम् ||

न जातु दुःखं गणनीयम्
न च निज सौख्यं मननीयम् |
कार्य क्षेत्रे त्वरणीयम्
लोकहितम् मम करणीयम् ||
दुःखसागरे तरणीयम्
कष्टपर्वते चरणीयम् |
विपति विपिने भ्रमणीयम्
लोकहितम् मम करणीयम् ||

काजोल बिश्नोई, VIII

प्रिया: श्लोका:

कराग्रे वसते लक्ष्मी: करमध्ये सरस्वती |
करमूले तू गोविंद: प्रभाते कर दर्शनं ||
सत्येन धार्यते पृथ्वी सत्येन तपते रवि: |
सत्येन वाति वायुश्च सर्वसत्ये प्रतिष्ठितम् ||
त्वमेव माता च पिता त्वमेव , त्वमेव बंधुश्च सखा त्वंमेव |
त्वमेव विद्या द्रविण त्वमेव सर्वं मम देव देव ||
आकाशात् पतितं तोयं यथा गच्छति सागरम् |
सर्वदेवनमस्कार: केशवं प्रति गच्छति ||

अभिषेक बिश्नोई, IX

पर्यावरणम् प्रदूषणम्

यत् परितः अस्मान् आवृनोति तत् पर्यावरणम्। पर्यावरेन साकं मानवजीवनस्य नित्यसंबंधः। पृथ्वी जल आकाश वनस्पतयः जीवाश्च पर्यावरणसर्जकाः सन्ति। प्रकृत्याः समग्रं रूपमेव पर्यावरणामिति अभिधीयते । पर्यावरेन अस्माकं मनः स्वास्थ्यं च प्रभावितानि भवन्ति।

वर्तमानकाले प्रकृतिकसंसाधनानां असंतुलितदोहनेन औद्यगिकविस्तारेण च अस्माकं मृदावायुजलानि दुषितानि। वैज्ञानिक प्रौद्योगिकी सततं पर्यावरणम् प्रदूषयन्ति। अस्माभिः प्रतिश्वासं विषपानं क्रियते।

बहुनामुद्योगानां विषयुक्तेन वायुना पृथ्वियां ऊष्मा वृद्धिम् अप्नोति। अद्य वायुजलध्वनि प्रदूषणेन मानवजीवनं दुःखमयं संजातम्। प्रतिवर्ष पर्यावरणसुरक्षार्थं "पर्यावरण दिवसः" नाम्ना समारोहः सर्वत्र आयोज्यते, तथापि पर्यावरणप्रदूषणस्य समस्या उतरोतर प्रवर्धमाना अस्ति। वस्तुतः ध्वंसरहितप्रगत्याः एक एव विकल्पः पर्यावरणसरंक्षणारर्थं अस्ति। अतः पर्यावरणस्य संरक्षणम् सर्वेषां कर्तव्यं अस्ति।

मुस्ताक, IX

कः किम् कर्तुम् न शक्तः

अन्धः किमपि न द्रष्टुम् शक्तः

पंगुः क्वापि न चलितुम् शक्तः ।

मूकः किमपि न वक्तुम् शक्तः,

बधिरः श्रोतुम् भवति अशक्तः ॥

मूढः बोद्धुम् न भवति शक्तः

न चापि भीरुः योद्धुम् शक्तः ।

शयने रोगी भवति अशक्तः,

दीनः किमपि न दातुम् शक्तः ॥

वृद्धः न भारं वोढुम् शक्तः,

ईर्ष्युः कमपि न कर्तुम् शक्तः ।

नैव धावितुम् स्थूलः शक्त

लोभी शांत्या स्वपितुमशक्तः ॥

अलसः मूर्खः निद्रायुक्तः ,

कार्यम् किमपि न कर्तुम् शक्तः ।

सदैव मिथ्याचरणे शक्तः,

नैवं स सत्यं द्रष्टुम् शक्तः ॥

कृतिका, VII

जय वृक्ष ! जय वृक्ष

श्रुयताम् सर्वे वृक्षपुराणम्,
क्रियताम् तथा वृक्षारोपणम् ।
वृक्षस्यास्ति सुन्दरम् याति मूलं बहुदुरम् ॥

मूलेपि अन्नम् , तस्य काष्ठम् कठिनम्,
काष्ठम् कठिनं भवति इंधनार्थम् ।
पर्णेषु भवति हरितद्रव्यम्,
अतो हि अस्ति रे पर्ण हरितम् ॥

पुष्पम् सुंदरम् , अतीव मोहकम्,
पुष्पम् तस्य भवति रे देवपूजार्थम् ।
फलम् रसमयं, तस्य फलम् स्वादपूर्णम् ,
फलम् हि अस्ति रे खगस्य अन्नम् ॥

वृक्षौ नैव अत्ति रे स्वकीयं फलम्,
सर्वम् हि अंगम् तस्य लोकहितार्थम् ।
जनाः न स्मरन्ति तस्य उपकारम्,
बहुधा कुर्वंति वृक्षच्छेदनम् ॥

मास्तु रे मास्तु ईदृशम् पापं,
यथाशक्ति क्रियताम् वृक्षरोपणम् ।
नैव रे नैवास्तु वृक्षकर्तनम्,
सर्वे हि कुर्वंतु तद् संवर्धनम् ॥

दीपक, VIII

स्मृतिसौरभम्

आनंदगंगा वहतीव यत्र

सौन्दर्यसिप्रा सरतीव यत्र ।

बंधुत्वसिंधुश्चलतीव यत्र

संस्कारशुद्धः अस्ति स वो विभागः ॥

विलोक्य विद्यां प्रति कर्मनिष्ठाम्

चेष्टाम् च सर्वां निजनेत्र कान्त्या ।

जातं हि चित्तं सुखमंडितं मे

विद्या यतो मे जननीव जीर्ण ॥

शुभ्रा सुचित्रा सरला सुभद्रा

विभागदायित्वनगाधिरूढ़ा ।

बन्धुत्वविद्याविषये प्रवीणा

ताम् भारतीं स्नेहवतीं स्मारमि ॥

या माधवी माधवभावसिक्ता

सदानुरक्ता अध्ययने अतिशान्ता ।

वोदयोतते या प्रतिभेव साक्षात्

सा स्नेहमूर्तिर्मनसि स्थितः अस्ति ॥

अनन्त, VII

अनुशासनम्

अनुशासनस्य अस्माकम् जीवने अतिमहत्वम् अस्ति| अनुशासनम् शब्दस्य अर्थम् अस्ति: शासनस्य अनुसरणम्| अत: नियमानां पालनं नियंत्रणम् स्वीकरणम् वा अनुशासनम् कथ्यते| जीवनस्य प्रत्येक क्षेत्रे कतिपयानां नियामनां पालनं आवश्यक वर्तते| प्रात: शीघ्रं जागरणम् नियमितव्यायामं, नियमेन स्वकार्यकरणम् कार्य प्रति पूर्णसमर्पणम् अनुशासित जीवनस्य अंगानि सन्ति| प्रकृत्या: मूले अपि अनुशासनम् दृश्यते| प्रकृत्या: नियमा: शाश्वता: ध्रुवा: च सन्ति| पृथ्वी, ग्रहा:, नक्षत्र:, सूर्य:, चन्द्र: च सर्वे अनुशासने बद्धा: सन्ति| शरीरस्य आरोग्याय यथा संतुलितम् भोजनम् अपेक्षते तथैव राष्ट्रस्य समाजस्य च उत्थानाय अनुशासनम् बहुमहत्वम् अस्ति| यदि छात्रा: ध्यानेन पठन्ति तर्हि भविष्ये जीवने साफल्यं प्राप्नुवंती|

य: देश: अनुशासनम् परिपालयति स: एव देश: उन्नतिपथं गच्छति| यत्र अनुशासननियमा: सुनिश्चिता: भवन्ति, तेषाम् पालनेन एव समाज: सुस्थितिम् याति| अनुशासने पालिते सर्वत्र सुव्यवस्था भवति, अस्य अभावे सर्वदा अव्यवस्था प्रसरति| सार्वजनिक संस्थासु, शासने सेनाया: च अनुशासनैव कार्यं प्रचलति| अनुशासनम् एव कस्यापि देशस्य महत्वपूर्णम् बलं वर्तते| अतएव अनुशासनम् अत्यावश्यकं सर्वे च परिपालनीयम्|

प्रमोद, VIII

विश्व योगदिवस:

* जूनमासस्य एकविंशति दिनांके विश्व योग दिवस: भवति |
* अस्मिन् दिने प्रात: विद्यालये सर्वकारीय कार्यालये सार्वजनिकस्थलेषु च अयम् दिवस: विशेषरुपेण मान्यते |
* बालक: बालिका: मातापितर: अध्यापका: च सर्वे मिलित्वा योगासनानि कुर्वन्ति|
* प्राणायामं आसनानि च अस्मभ्यम् शान्तिमयं जीवनं यच्छन्ति |
* अस्माकम् विद्यालये चतुर्शताधिका: छात्रा: अस्मिन् दिने योगासनानि कुर्वन्ति|
* वयं पद्मासनम् , वज्रासनम्, प्राणायाम इत्यादीनि आसनानि कुर्म: |
* विद्यालयस्य योगाचार्य: आसनानि प्रयोजनानि प्रति छात्रान् अवदत् |

विष्णु, IX

न्यूनतम साझा कार्यक्रम

अनुभाग

CMP (PRIMARY DEPARTMENT) ACTIVITIES

ORIENTATION OF PARENTS

Kids are one of the most beautiful and valuable creation of the god, it is our duty to nurture them and to take care of them. Our KV is one of the greatest caretakers of this area. KV, BSF, Pokaran is a true follower of KVS as it takes great care to implement the flagship programs of KVS.

During the Readiness programme students of Class I, were familiarized with the school campus. Different fun activities were organized so that students may feel comfortable in the school environment and enjoy learning

COMMUNITY LUNCH

Caring and sharing in friendly atmosphere

Community lunch is about more than sharing food, it's about knowing our diverse culture. It encourages respect around food and meals. As a part of curriculum community lunch was organized in August 2019. Sharing and caring is integral part of life and sharing a meal is an excellent way for the kids to feel a sense of oneness.

MORNING ASSEMBLY

Every Friday & Saturday morning assembly is conducted by students of primary section. To a great extent it has helped students in removing their stage phobia. Students take part in morning assembly enthusiastically.

SWASTH BACHCHE SWASTH BHARAT

The SBSB of Kendriya Vidyalaya Sangathan is an initiative to prepare a physical health and fitness profile card for more than 12 lakhs of KV students. All the data for the I-Card has been submitted online .

Co- curricular activities– Exhibiting the hidden talents

CCA PROGRAMME

Every activity in school life plays a significant role in development of students. Co-curricular activities are an essential part of school life. A well planned schedule of CCA is followed for the smooth conduct of activities. Every Saturday two periods are given for CCA. Various competitions were organized like calligraphy, poem recitation, solo songs, dictation, quiz, etc.

राखी बनाओ प्रतियोगिता

जवानों के लिए बनाई राखियाँ - रक्षा बंधन के अवसर पर बच्चो ने अपने हाथ से रक्षा सूत्र और कार्ड बनाकर जवानो के प्रति कृतज्ञता जताई एवं उनकी रक्षा की कामना की।

स्वास्थ्य जाँच कार्यक्रम

स्वस्थ शरीर में ही स्वस्थ मस्तिष्क का निवास होता हैं विद्यार्थियों के स्वास्थ्य व तंदुरुस्ती की जांच के लिए विद्यालय द्वारा मेडिकल हेल्थ चेक-अप करवाया जाता है।

हरित विद्यालय

विद्यालय परिसर को हरा भरा बनाने व विद्यार्थियों में पौधारोपण करने की आदत विकसित करने हेतु विद्यालय ने एक नई पहल की शुरुआत की है। जिसके तहत विद्यार्थी अपने जन्म दिवस के अवसर पर एक पौधा विद्यालय को भेंट करता है। वह विद्यार्थी प्राचार्य जी के साथ पौधारोपण करता है तथा उस विद्यार्थी को उस पौधे की देखरेख की जिम्मेदारी दी जाती है|

बाल मेला

विद्यालय मे दिनाँक 14-11-2019 को उप संकुल स्तरीय बाल मेले का आयोजन किया गया। मेले का शुभारंभ सीमा सुरक्षा बल की 57वी बटालियन के समादेष्टा सुरेन्द्र मिश्रा ने किया। मेले के अंदर सांस्कृतिक व खेल-कूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गयी। बाल मेले मे केन्द्रीय विद्यालय, वायुसेना स्थल, जैसलमेर, बीएसएफ़ रामगढ़, बीएसएफ़ डाबला व बीएसएफ़ पोकरण ने भाग लिया।

★★★★★★★★★★

बाल मेले मे आयोजित खेल-कूद प्रतियोगिता का शुभारंभ केन्द्रीय विद्यालय बीएसएफ़ पोकरण के प्राचार्य महोदय श्री गजेंद्र जोशी जी द्वारा किया गया। खेल-कूद प्रतियोगिता मे 50 मी दौड़, बोरा दौड़, नीबू दौड़ व तीन पाँव दौड़ का आयोजन किया गया। जिसमे तीन पाँव दौड़, 50 मी दौड़ व बोरा दौड़ मे बीएसएफ़ पोकरण ने प्रथम स्थान व नीबू दौड़ मे बीएसएफ़ रामगढ़ ने प्रथम स्थान प्राप्त किया।

सांस्कृतिक प्रतियोगिता के अंतर्गत समूह नृत्य, समूह गान व विचित्र वेशभूषा का आयोजन किया गया। जिसमे समूह गान मे केन्द्रीय विद्यालय बीएसएफ़, पोकरण ने प्रथम, समूह नृत्य मे केन्द्रीय विद्यालय, वायुसेना स्थल, जैसलमेर ने प्रथम व विचित्र वेशभूषा मे केन्द्रीय विद्यालय बीएसएफ़ पोकरण प्रथम रही। प्राचार्य श्री गजेंद्र जोशी जी ने सभी विजेताओ को प्रतीक चिहन व प्रशस्ति पत्र प्रदान किए तथा सभी को आशीर्वचन प्रदान किया।

BS&G SECTION

स्काउटिंग / गाइडिंग

एक अनुशासन

स्काउटिंग प्रत्येक विद्यार्थी के लिए खुला मंच है। यह एक स्वयं सेवी, गैर राजनीतिक, शैक्षिक आंदोलन है जो किसी भी मूल, जाति, वर्ग, संप्रदाय, धर्म, वंश से बिलकुल हटकर है। आंदोलन का उद्देश्य स्काउट्स, गाइड्स का आध्यात्मिक तथा आत्मिक विकास कर उन्हें योग्य नागरिक बनाना है। विद्यालय भी स्काउटिंग के क्षेत्र में लगातार अग्रसर है। स्काउटिंग को अपनाकर विद्यार्थी आजकल के शहरी एवं मशीनी जीवन से दूर प्राकृतिक परिवेश में जीवनोपयोगी कोशलों में प्रवीणता प्राप्त करते है। अतः सभी विद्यार्थियों को साहसी, आत्मविश्वासी, निरोगी, सदाचारी, अनुशासित एवं सुनागरिक बनने हेतु अपने जीवनकाल में अवश्य ही स्काउटिंग को अपनाना चाहिए। विद्यार्थियों में स्काउटिंग के प्रति रुचि जाग्रत करने के लिए स्काउट ब्लॉग WWW.SCOUTGUIDEKVS.BLOGSPOT.IN का निर्माण किया गया है।

- विद्यालय में 64 स्काउट्स, 22 गाइड्स, 08 कब्स तथा 18 बुलबुल पंजीकृत है।
- केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01, जयपुर एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 03, जयपुर में आयोजित राज्य पुरस्कार जांच शिविर में क्रमश: 05 स्काउट्स और 03 गाइड्स ने भाग लिया।
- केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01, अजमेर एवं केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 02, अजमेर में आयोजित तृतीय सोपान जांच शिविर में क्रमश: 04 स्काउट्स और 03 गाइड्स ने भाग लिया।
- विद्यालय के गौरव – स्काउट जसवंत चारण तथा दिनेश पालीवाल ने केन्द्रीय विद्यालय क्रमांक 01, जयपुर में आयोजित राष्ट्रपति अवार्ड - 2016 में भाग लिया। पिछले 15 वर्षों में पहली बार यह सम्मान विद्यालय को प्राप्त हुआ है।

अमरनाथ लाखीवाल

प्रभारी एवं एडवांस्ड स्काउट मास्टर

ENGLISH SECTION

TEACHERS OF KENDRIYA VIDYALAYA

The way they teach
The knowledge they share
The care they take
The love they shower
They guided us a lot when I was lost
They supported us when we were weak
They have enlightened us although
The best teachers in the world
Where ever I may go in my life, I will always
Remember that I had an excellent guide in the
Form of teachers.....
They have always shown us the right ways.
Whatever little we have achieved in our life,
Because of the teachers of Kendriya Vidyalaya
Thanks for being our guide & mentor.

Chitra, XII Arts

BOOKS

Books are keys to ------ Wisdom's treasure
Books are gates to ------ Lands of pleasure
Books are paths that ------ Upward lead
Books are friends ------ Come let us read

Khusboo Jangid, X

A Poetry

A poetry to whom, who love me

A poetry to whom, who care for me

A poetry to whom, who protect me

This poetry is for a beautiful person.

A poetry to whom, who gave me encouragement

A poetry to whom, who tell me right and wrong

A poetry to whom, who tell me my power and strength

This poetry is for a wise person.

A poetry to whom, who tell me what is life?

A poetry to whom, who tell me about friendship

A poetry to whom, who is always with me

This poetry is for a perfect advisor.

A poetry to whom, who give up desires for me

A poetry to whom, who teaches me

A poetry to whom, who plays with me

This poetry is for a jolly person.

A poetry to whom, who makes me smile

A poetry to whom, who makes me versatile

A poetry to whom, who is always my friend

This poetry is for my lovely father that will never end.

Nandini Deval, X

FAILURE IS LIFE'S GREATEST TEACHER

Failure is a powerful tool to reach great success. Failure and defeat are life's greatest teachers, but most people don't want to understand it. Failure is the one which makes us realise our mistakes. It is the key which opens the door of success. We should have positive attitude towards failure. Failures are the stepping stones towards success. Such is the case of Thomas Edison, whose most memorable invention was the lightbulb, which took him thousand tries before he developed a successful prototype. How did you feel after failing to fail thousand times?A reporter asked, "I didn't fail thousand times," Edison responded. The light bulb was an invention with thousand steps. Failure helps us to realise our mistakes and improves our attempts. When the rewards of success are great, embracing possible failure is key to taking on a variety of challenges, whether you are reinventing yourself by starting a new business or allowing yourself to trust another person to build a deeper relationship. The quickest road to success is to possess a positive attitude towards failure of "no fear".

- **Jaya Rathi, VIII**

FACT-O-PEDIA

1. India is the world's largest, oldest, continuous civilization. Varanasi, also known as Benares, was called "the ancient city" when Lord Buddha visited it in 500 B.C., and is the oldest, continuously inhabited city in the world today.
2. India never invaded any country in her last 10000 years of history.
3. India is the world's largest democracy.
4. India invented the Number System. Zero was invented by Aryabhatta.
5. The World's first university was established in Takshashila in 700BC. More than 10,500 students from all over the world studied more than 60 subjects. The University of Nalanda built in the 4th century BC was one of the greatest achievements of ancient India in the field of education.
6. Sanskrit is the mother of all the European languages. Sanskrit is the most suitable language for computer software - a report in Forbes magazine, July 1987.

Complied – Mr. S.K. Deval, PGT (CS)

MOTHER'S LIFE STORY

Life is an opportunity, benefit from it

Life is beauty, admire it

Life is a dream, realize it

Life is a challenge, meet it.

Life is a duty, complete it.

Life is a game, play it.

Life is a promise, fulfill it.

Life is sorrow, overcome it.

Life is a song, sing it.

Life is a struggle, accept it.

Life is a tragedy, condole it.

Life is an adventure, dare it.

Yuvraj, V

FOREST

Plants and trees are rooms

For each and every creature

Brown are the walls, green are the rooms

With a lot of fresh air as roof

Green and green everywhere

For it acts as the best

Left and right on your flight

You see me with all my might

Richa Jangid, IV

LAUGHTER: A GOOD MEDICINE

Whenever a person is in stress, he/she always needs a stress reliever. Generally, a stressed person takes medicine, to get relief from the stress. But when we think of various ways to release stress, laughter scores the top. A Laughter filled time releases hormones like endorphins that act in the body to release stress. It helps the heart in better functioning. Laughter also helps to develop muscles and acts as an element of exercise. A good hearty laugh relieves physical tension and stress. It leaves our muscles relaxed for more than half an hour. There is one thing more that can be added that if we always laugh, it will make a lot of friends. The friends will help us in relieving from stress because in that case we will be able to share our tension with others. So, we should laugh as much as we can.

Nandini Deval, X

ANIMAL WORLD

* Woodpecker can speak 20 times a second.
* A cow gives nearly 2 lakh glasses of milk in her life.
* An elephant can smell water from 3 miles away.
* Dolphin can swim and sleep at the same time.
* A cheetah can run at the speed of 100-120 kmph.
* The grizzly bear can run as fast as the average horse.
* Ants don't sleep.
* Next to man, the tortoise in the most intelligent creature on the earth.
* Gorillas have unique nose prints just as humans have unique fingerprints.

Sumit Lakhiwal, XI

SECRET PRAYER OF A CHILD

Oh! God please subtract my home work,

Add my holidays,

Divide my exam,

Multiply my games periods,

I would like be happy ever if my wishes will be granted!

Abhishek Singh, VII

MY BEST FRIEND

A friend is one

With whom I have fun

And be compared to none

I shore my feelings, without fear

As she is my companion

She frees me from all tension,

And give my problems a solution.

She might be sometime tough

But not rough.

For me she is very sweet,

She is the one, I always wish to meet.

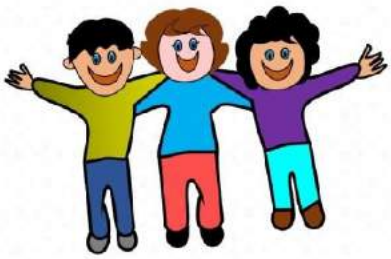

Madhu Jangid, VII

STUDENT LIFE

It is said that student life is the golden period of life, because student life is the most important part of human life. It is the period of joy and happiness, because the mind of a student is free from care and worries. In this period the character of man is built. So, it is called the formative period of human life. Every student should try his/her best to make the maximum use of his/her student life. The primary duty of a student is to learn and to acquire knowledge. He/she must do all his/her work at the right moment and maintain punctuality and discipline. A student should spend most of his/her time of this Golden period in reading and learning. A good student never wastes his/ her time. But he/ she must not be a bookworm. He/she should also be careful about his/her health and spend some time daily in some sports and games. He/she should try to develop his/her strength and mind at the same time. As a student he/she must try to develop his/her intellect. He/she should try to acquire some good qualities like obedience, dutifulness, respect for elders and love. Students are the future hope of our country. So every student should try to be the best citizen in all aspects, so that he/she may serve his/her country with full dedication.

Kavita, XII (ARTS)

ETERNAL PRAYER ...

Oh! God, grant me this moon,
That I may never refrain from
Good actions.
That I may fight fearlessly,
All evils with courage,
That I may forgive those,
Who sin against me?
That I may be true, sincere and honest,
In all my actions,
That I may live and serve
For my country.
O my lord, please accept my
Prayer
Thank you God!

Divya Lakhiwal, VIII

FORMULA OF SUCCESS

Read, but write more

Talk, but think more

Play, but study more

I promise you will get success sure.

Eat, but chew more

Sleep, but work more

Punish, but pardon more

I promise you will get success sure.

Spend, but save more

Consume, but produce more

Reach, but follow more

I promise you will get success sure.

Hate, but love more

Order, but obey more

Ignore, but accept more

I promise you will get success sure.

Amrao Singh, XII Arts

SMILE

A Smile is quite a funny thing,
It wrinkles so your face,
And when it's gone, you never find
Its secret hiding place.

But for more wonderful it is
To see what smiles can do;
You smile at one, he smiles at you,
And so one smile makes two.

He smiles at someone since you smiled,
And that one smiles back;
And that one smiles, until in truth
You fail in keeping track.

Now since a smile can do a great good,
By cheering hearts of ours,
Let's smile and smile, and not forget
That smile goes everywhere!

Himanshi, XI ARTS

A POEM ON PARTS OF SPEECH

Noun is the name of anything
School or Garden, ball or ring
Adjective tell the kind of noun
As great or small, black or brown
Instead of nouns, pronouns stand
My head, your pen, his face, her hand
Words tell of an action being done
Write or read or Singh or Run
How things are done adverbs tell
As quickly, slowly, soon and well
Conjunction joins the word together
As men and women, cloth or leather
A preposition stands before a noun
As on the door and in the Crown
And interjection shows surprise
As Oh! How pretty! Oh! How wise!
All these are parts of speech
Which reading, writing, speaking, teach.

Khushi, VI

MY BEST FRIEND

Whenever you are sad
I will wipe your tears
Whenever you are scared
I will scare your fears
Whenever you need someone
I will be among your peers
Whenever you are confused
I will be with you
When you have to struggle
I will help you fight
You will always find me
With you ever so bright
Bid times don't
But true friendship lost
And this you can see
In my present and past
Because friendship is the path to heaven
Because friendship makes
The Heart zoom with joy
I have said all this till the end
Because I believe you are my friend
My best friend.

Nishant, V

MY MOTHER

My mother is the most important person in my life. Not only she carried me for nine months, she continued to support and loves me regardless of what I have put her through, to bring me up. So for me my mother has the greatest impact on my life. Many people came and passed by but, she stood by my side helping and advising me on all the important values of a good life. My mother is always there for me and always encourages me to chase my dreams. She always pushes me to go after my dreams. She does not put any pressure on me but walks with me in every step to ensure that I am on the right path towards achieving my goals. My mother has taught me so much and I will always be grateful to her. She advises the values of life and how we should treat others. I have seen her struggling day and night to ensure that we all are ok, while still managing to run her demanding businesses. She is as strong and Fearless women.

Kajol Bishnoi, VIII

PROUD OF BEING A WOMAN

Existence of world cannot be imagined without womanhood. Since a woman is birth giver, companion, care taker, protector, maker, shaper of manhood. Since, the dawn of the history of mankind this 'better half' has been considered very important. But in due course of time because of many appropriate and inappropriate reasons, manhood started to consider women as a weaker sex. In many religious sections in the medieval age she was ill treated, maltreated and oppressed. Instead of being disheartened women developed another virtue of tolerance, patience and confidence and she became more firm stronger, wiser and more virtuous. At present women are stepping ahead in the fields which were considered for men only like defense, police, Civil and other social services. She can manage properly both inside and outside the house brilliantly. In several countries seats are kept for the female candidates for the highest political and judicial portfolios like the president and the Prime Minister and the Defense Minister. Women is ferocious as a lion, as blind as lamb, as meek as a cow, as hard as steel and as soft as wax. These multiple qualities are found only in women and that is why we say that there is a woman behind every successful man. The knights, the sculptor, thinkers, Philosophers, scientists, etc. Every man is born out of women. Mother is the creator of the world that's why I am proud to be a woman.

Mrs. Sarita, PRT

AN APPLICATION

Respected madam
With due veneration
And deep contemplation in a sick condition
I give you the composition
That my condition is beyond explanation
Therefore with great concentration
I will ask your consideration
To grant me vacation
Of 10 days duration
In attention to avoid examination
Which is a big botheration?
For the modern Indian generation
I am no exception, where there is an application
For the necessary permission
Thanking you in anticipation
This is my humble submission
Now, I close my application.

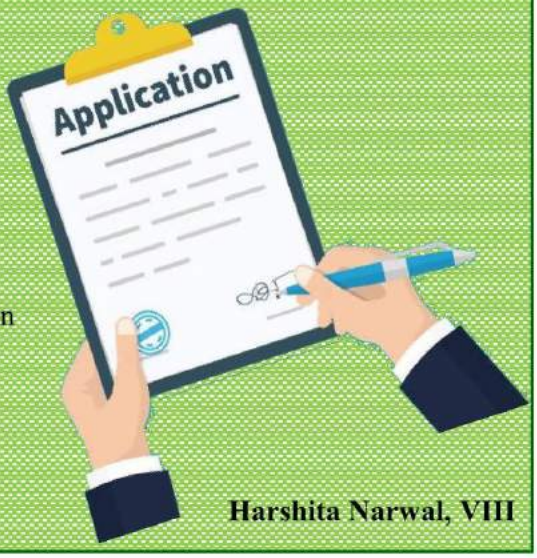

Harshita Narwal, VIII

NEVER GIVE UP

We all have different goals and ambitions in our very own lives, and to fulfill them, we all must work harder and harder. Different interests demand different kinds of efforts. Be it physical, mental, spiritual, intellectual or anything else. But as we work for achieving these, it so happens that sometimes we tend to lose our hope and ultimately decide to give up. There have been several instances in my life too where I had thought of giving up, but I never did. When we are passionate about something we all seem to be happy and enthusiastic about giving our very best and going on and on until we reach the zenith of our interest or passion. One should never be a pessimistic and give up so easily. A good personality of an individual is marked by the presence of determination, optimism, perseverance, and high self-esteem. Whether we avoid it or face it, it is impossible to hide away from our problems. One can always run but can never hide. Sure, facing and fighting problems is going to be difficult, but a positive attitude and self-confidence can help win anything. Starting small and then going big is the golden rule of persuading anything. Do this and I guarantee you your success. Before I end, I just would like to say that never, and I mean NEVER, never-ever give up.

-Tejas Joshi, IX

VIDYALAYA GLIMPSES

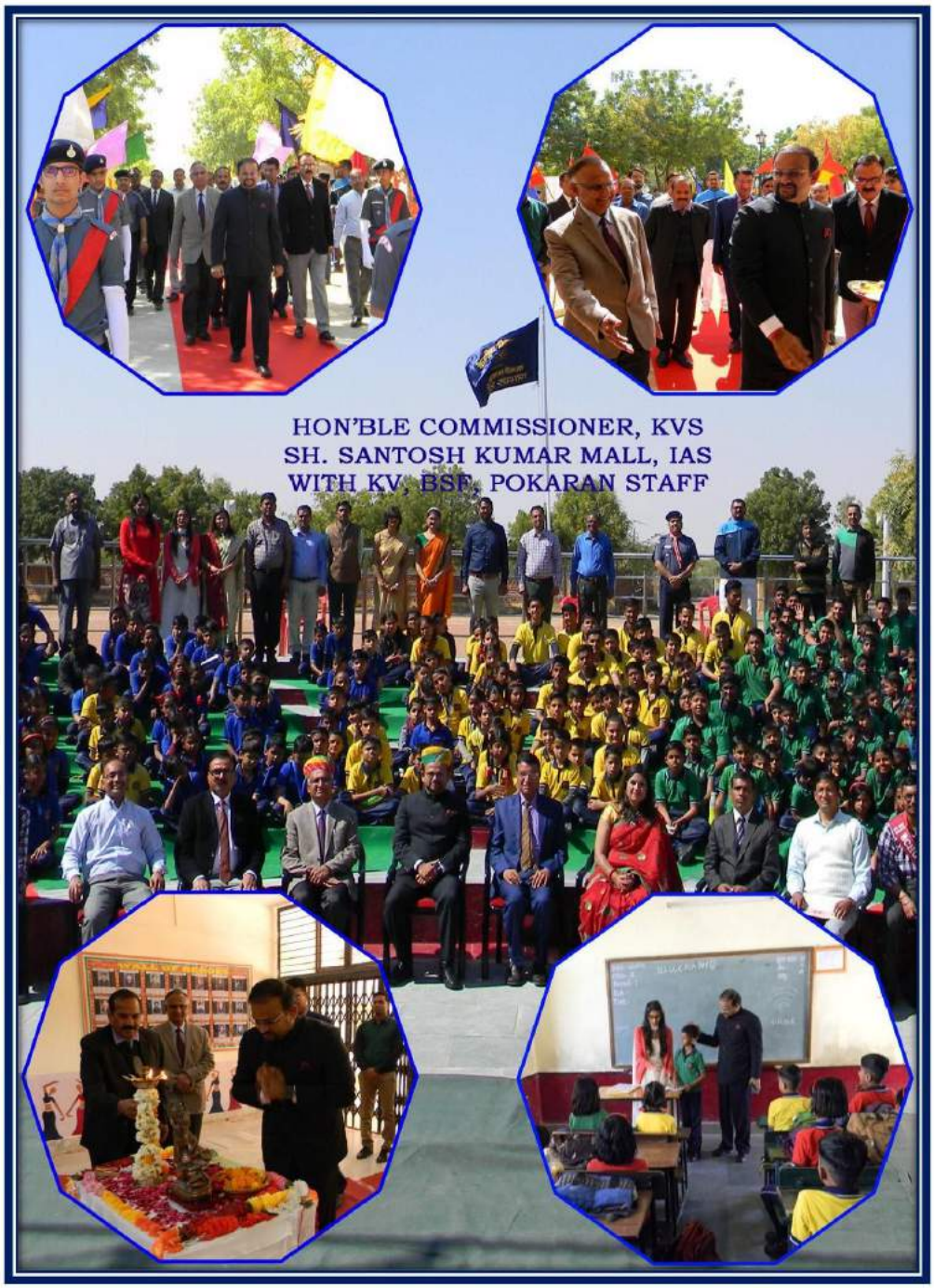
HON'BLE COMMISSIONER, KVS
SH. SANTOSH KUMAR MALL, IAS
WITH KV, BSF, POKARAN STAFF

केन्द्रीय विद्यालय
सीमा सुरक्षा बल, पोकरण
छात्र पुलिस कैडेट कार्यक्रम
STUDENT POLICE
CADET PROGRAMME
DRUG ABUSE

विद्यालय सुर्खियों में

भागीदारी...

संविधान दिवस पर हुए विविध कार्यक्रम

प्रतियोगिताओं में विद्यार्थियों ने दिखाया उत्साह

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

पोकरण. केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल में सोमवार को संविधान दिवस मनाया गया। प्राचार्य गजेन्द्र जोशी ने संविधान का उद्देश्य बताया। इस मौके पर प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता हुई।

इसमें योगेश राठी व राधा चारण ने प्रथम, कपिल पालीवाल व आदित्य ने द्वितीय तथा जतिन व आइदानसिंह ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। जिसका संचालन शिक्षक ओमप्रकाश जांगिड़ ने किया। छात्र विपुल बिश्नोई ने संविधान का महत्व व रचना प्रक्रिया बताई।

रामदेवरा. रुणीचा इंस्टीट्यूट ऑफ सीरिन एज्युकेशन माध्यमिक विद्यालय में कार्यक्रम हुआ। प्रभारी श्रवणकुमार ने बताया कि समन्वयक दर्शना रंगा ने डॉ.भीमराव अंबेडकर के निर्देशन में बनाए गए संविधान के प्रारूप की जानकारी दी।

पोकरण केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में भाग लेते विद्यार्थी।

विद्यालय में मनाया संविधान दिवस

मोहनगढ़. कस्बे में स्थित मरुस्थली महिला विद्यापीठ उच्च माध्यमिक में सोमवार को संविधान दिवस मनाया गया। इस दौरान विद्यार्थियों के लिए भाषण प्रतियोगिता हुई। इसमें कक्षा 6 से 12वीं तक के विद्यार्थियों ने हिस्सा लिया। प्रतियोगिता में निकिता खत्री प्रथम, शारदा सौलंकी द्वितीय, डिम्पल कंवर तृतीय स्थान पर रही। प्रधानाचार्य राणाराम सुथार ने संविधान की जानकारी दी। विद्यालय के शिक्षक शिक्षिकाओं ने विचार रखे। शिक्षक उम्मेदसिंह तंवर, प्रेमसिंह भाटी, रायसिंगा राम पंवार, किरतारसिंह, जोगेन्द्रसिंह, पप्पूराम, गीता, अंशु सहित अन्य उपस्थित रहे।

वर्षा सिन्हा ने संविधान में उल्लेख बातों का पालन करने की शपथ दिलाई। विद्यार्थी राधिका सोनी, छात्र जयदीप बिश्नोई, किशन प्रताप, गंगासिंह, विनोद जयपाल ने अपने विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम का संचालन पुखराज ने किया।

क्षमताओं को पहचान बढ़ें आगे

पोकरण @ पत्रिका. केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल में शनिवार को कार्यक्रम हुआ। केन्द्रीय विद्यालय संगठन के आयुक्त संतोषकुमार मल्ल ने कहा कि विद्यार्थी जीवन में श्रेष्ठता का वरण करना चाहिए। उन्होंने अपनी क्षमताओं को पहचानने और प्रतिदिन उनको बढ़ाते चलने व जीवन में हार नहीं मानने का आह्वान किया। प्राचार्य गजेन्द्र जोशी ने बताया कि संगठन के यशपालसिंह ने आयुक्त का स्वागत किया। इस मौके पर छात्राओं ने सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुतियां दी। केन्द्रीय विद्यालय एकलिंगगढ़ के प्राचार्य ओपी यादव व केन्द्रीय विद्यालय वायुसेना संख्या एक जोधपुर के प्राचार्य विवेक यादव ने भी विचार व्यक्त किए। आयुक्त ने उच्च उपलब्धि हासिल करने वाले विद्यार्थियों व उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले शिक्षकों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित

विद्यालय में मनाया विज्ञान दिवस

पोकरण के केन्द्रीय विद्यालय में प्रस्तुति देते विद्यार्थी। पत्रिका

पोकरण. क्षेत्र के विभिन्न विद्यालयों में गुरुवार को विज्ञान दिवस मनाया गया।केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल में प्रसिद्ध वैज्ञानिक चंद्रशेखर वेंकटरमन की स्मृति में राष्ट्रीय विज्ञान दिवस मनाया गया। प्राचार्य गजेन्द्र जोशी ने बताया कि विज्ञान दिवस पर विभिन्न कार्यक्रम व गतिविधियां आयोजित की गई। छात्र भावेश व्यास व प्रिया शेखावत ने दिवस के महत्व पर प्रकाश डाला। तेजस जोशी ने रमन के जीवन चरित्र की जानकारी दी। मयंक यादव ने देश के विकास में वैज्ञानिकों की भूमिका के बारे में बताया। जय भास्कर ने वैज्ञानिक संस्थानों की जानकारी दी। छात्राओं नंदिनी व खुशबु तथा गरिमा व प्रांजली ने प्रश्नोत्तरी में उत्कृष्ट प्रदर्शन किया। प्राचार्य जोशी ने रमन की तस्वीर पर पुष्प अर्पित किए। छात्रा लक्षितासिंह ने शिक्षक दीपक जांगिड़ के निर्देशन में गतिविधियां प्रस्तुत की। रामबाबू मीना ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन गोपाल सैंवलिया ने किया। इसी प्रकार स्थानीय राजकीय उच्च माध्यमिक विद्यालय बीलिया मालियों का बास में विज्ञान दिवस मनाया गया। विज्ञान प्रभारी अनिल शर्मा ने बताया कि विज्ञान दिवस पर पोस्टर व मॉडल प्रतियोगिता आयोजित की गई।उन्होंने रेणुका कल्ला, जुगल, देवीप्रसाद पुरोहित, काशीराम, बलराम, मोहनलाल, राधाकिशन के निर्देशन में आयोजित प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने उत्साह के साथ भाग लिया। उन्होंने बताया कि मॉडल में महेन्द्र व मिली ने प्रथम, रक्षा, विमला व कुसुम ने द्वितीय, पिंकू व खुशबु ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।इसी प्रकार पोस्टर प्रतियोगिता में चंचल ने प्रथम, जया ने द्वितीय व मोनिका ने तृतीय तथा क्विज प्रतियोगिता में श्रवणपुरी ने प्रथम, रिंकू ने द्वितीय व अनिता ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।जिन्हें पुरस्कार देकर सम्मानित किया गया। प्रधानाचार्य ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया। कार्यक्रम का संचालन गणपत माली ने किया।

विद्यार्थियों को पढ़ाई का महत्व समझाया

भास्कर संवाददाता | पोकरण

सीमा सुरक्षा बल के केन्द्रीय विद्यालय में मंगलवार को पठन माह के तहत विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालय के प्राचार्य गजेंद्र जोशी ने बताया कि सर्वप्रथम छात्रा पूजा विश्नोई ने विद्यार्थियों को पठन प्रतिज्ञा दिलाई। नंदिनी देवल व कीर्ति उज्जवल ने अपने भाषण में पढ़ने के महत्व को रेखांकित किया। लक्षितासिंह ने कविता पाठ किया। पुस्तकालयाध्यक्ष अमरनाथ लाखीवाल के सहयोग से संपन्न कार्यक्रम का संचालन सोहनलाल शर्मा ने किया। प्राचार्य गजेंद्र जोशी ने बताया कि पठन माह में अधितम पुस्तकें पढ़कर सार्थक समीक्षा प्रस्तुत करने वाले विद्यार्थियों व शिक्षकों को पुरस्कृत किया जाएगा।

किया मार्गदर्शन...

विधिक साक्षरता शिविर में दी जानकारियां

बताए नशे के दुष्परिणाम

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

पोकरण. तालुका विधिक सेवा समिति की ओर से स्थानीय केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल में बुधवार को विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन किया गया।

अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट प्रिया टावरी व ग्राम न्यायालय सांकड़ा के न्यायाधिकारी जितेन्द्रकुमार ने छात्र-छात्राओं को नालसा की योजना के तहत मैत्रीपूर्ण विधिक सेवाओं व उनके संरक्षण के लिए विधिक सेवाएं योजना 2015 के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि बालक देश का भविष्य है। देश का समग्र विकास बालकों पर निर्भर है। उन्होंने कहा कि बालकों को शारीरिक, मानसिक व बौद्धिक दृष्टि से सुसंस्कारित होना आवश्यक है। इसके लिए भारतीय संविधान में बालकों को महत्वपूर्ण अधिकार दिए गए है। उन्होंने नालसा की विभिन्न योजनाओं के बारे में जानकारी दी तथा नशे की प्रवृति से दूर रहने की बात कही।उन्होंने बताया कि बालकों के संबंध में कोई समस्या या परेशानी होती है, तो टोल फ्री नंबर 1098 पर शिकायत दर्ज करवाई जा सकती है। जिस पर तत्काल सुनवाई की जाएगी।उन्होंने रालसा के जल जागरूकता अभियान के बारे में भी जानकारी दी। प्राचार्य गजेन्द्र जोशी ने सभी का धन्यवाद ज्ञापित किया।

पोकरण के केन्द्रीय विद्यालय में विधिक साक्षरता शिविर में उपस्थित न्यायाधिकारी व विद्यार्थी। पत्रिका

नीम और शीशम के 200 पौधे रोपे, संरक्षण का लिया संकल्प

भास्कर संवाददाता | पोकरण

पोकरण. केन्द्रीय विद्यालय में पौधारोपण करते सेना के अधिकारी।

केंद्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल पोकरण में शुक्रवार को सघन पौधारोपण अभियान की शुरुआत की गई। प्राचार्य गजेंद्र जोशी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल की 57वीं वाहिनी के अधिकारीगण अजय यादव, आनु सिंह भाटी व शैलेश प्रताप सिंह ने पौधारोपण कर अभियान का श्रीगणेश किया। तत्पश्चात बल के जवानों, विद्यालय के शिक्षकों व विद्यार्थियों ने मिलकर नीम व शीशम प्रजाति के दो सौ से अधिक पौधे रोपे। प्राचार्य गजेंद्र जोशी ने बताया कि विद्यार्थियों ने पौधारोपण कर उनके संरक्षण व संवर्द्धन का संकल्प लिया और पर्यावरण के प्रति समर्पण भाव को प्रकट किया। अभियान के तहत पांच सौ पौ...

उपसंकुल स्तरीय बाल मेले में झलका उत्साह

पोकरण के केन्द्रीय विद्यालय में बाल मेले में भाग लेते विद्यार्थी। पत्रिका

पोकरण @ पत्रिका. केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल में गुरुवार को उपसंकुल स्तरीय बाल मेले का आयोजन किया गया। प्राचार्य गजेन्द्र जोशी ने बताया कि सीमा सुरक्षा बल की 57वीं बटालियन के समादेष्टा सुरेन्द्र मिश्रा के मुख्य आतिथ्य में सांस्कृतिक व खेलकूद प्रतियोगिताएं आयोजित की गई। बाल मेले में केन्द्रीय विद्यालय वायुसेना जैसलमेर, केन्द्रीय विद्यालय डाबला, केन्द्रीय विद्यालय रामगढ़, केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल के प्राथमिक विभाग के बच्चों ने विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्साहपूर्वक भाग लिया। सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं में केन्द्रीय विद्यालय वायुसेना जैसलमेर ने प्रथम, समूहगान में केन्द्रीय विद्यालय पोकरण ने प्रथम, विचित्र वेशभूषा में केवी पोकरण की पलक शर्मा ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। समादेष्टा मिश्रा ने विद्यालय परिसर में नवनिर्मित बाल उद्यान का शुभारंभ किया। प्राचार्य जोशी ने विजेता प्रतिभागियों को पुरस्कार देकर सम्मानित किया।

आयोजन...

सद्भावना झंडा दिवस पर विद्यालयों में हुए विविध कार्यक्रम, दिखा उत्साह

जैसलमेर के केन्द्रीय विद्यालय वायु सेना स्थल में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। पत्रि...

विद्यालयों में हुई प्रतियोगिताएं

पत्रिका न्यूज़ नेटवर्क
rajasthanpatrika.com

पोकरण के केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में प्रस्तुति देते विद्यार्थी

जैसलमेर. शहर के केन्द्रीय विद्यालय, वायुसेना स्थल में सद्भावना झंडा दिवस मनाया गया। विद्यालय प्राचार्या समरीन कादरी ने सांप्रदायिक सद्भावना को प्रबल बनाने के लिए स्काउट गाइड विभाग द्वारा दान पेटी में सहयोग देकर आगाज किया।

स्काउट-गाइड एवं कब बुलबुल की ओर से इस अवसर पर रैली का आयोजन किया गया।विद्यालय, समाज एवं देश में सांप्रदायिक सद्भावना का प्रचार-प्रसार हो सके।दान पेटी में सभी विद्यार्थियों, कर्मचारियों एवं प्राचार्या ने सहयोग राशि दी।सद्भावना के प्रतीक स्टीकर भी बांटे गए।प्राचार्य ने स्काउट गाइड के झंडा दिवस पर सभी विद्यार्थियों को प्लास्टिक मुक्त भारत बनाने के लिए प्रतिज्ञा दिलवाई।

भारत स्काउट गाइड का संदेश देने को अपने जीवन में अंगीकार करने का आह्वान किया।पर्यावरण का संरक्षण एवं संवर्धन करें।विद्यार्थियों को अवगत कराया कि विद्यालय में लगाए गए सभी नन्हें पौधों को नियमित अंतराल से पानी देकर उनकी सुरक्षा करें।

यही पौधे बड़े होकर पेड़ बन कर जीवन का आधार बनेंगे।स्काउट गाइड में त्याग, बलिदान, मित्रता, सद्भावना,सहयोग और पर्यावरण मित्र जैसे गुणों को सिखाता है।धर्म के नाम पर मानवता को नहीं बांटना है।

मनाया झंडा दिवस

पोकरण. केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल में गुरुवार को झंडा दिवस मनाया गया। प्राचार्य गजेन्द्र जोशी ने बताया कि विद्यालय के स्काउट गाइड परिसर में आयोजित दिवस... शुरुआत प्रार्थना, प्रतिज्ञा, झंडा ... के साथ की गई।इस मौके ... सुविचार, भारत स्काउट्स, गाइड... की स्थापना, लॉर्ड बैडेन पॉवेल ... जीवनी, स्काउट गाइड निनाद आ... कार्यक्रम आयोजित किए गए। प्र... जोशी, मैना, काजोल, विष्णु, स... स्नेहा, तेजस्व, रक्षित, प्रियदर्शि... विशाल, गौरव, ममता, अवि... पलक, नारायण, महावीरसिंह ... विचार व निनाद प्रस्तुत किए। प्राचा... जोशी ने प्लास्टिक मुक्त भा... अभियान की जानकारी दी। इस मौ... पर प्रभारी अमरनाथ लाखीवा... शिवनारायण, सरिता, सुधीर... उपस्थित थे। संचालन स्काउ... भावेश व्यास ने किया।

मौलाना अबुल कलाम आजाद को याद किया...

विद्यालयों में मनाया शिक्षा दिवस

पोकरण के एक विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी। पत्रिका

पोकरण के केन्द्रीय विद्यालय में आयोजित कार्यक्रम में उपस्थित विद्यार्थी।

पोकरण @ पत्रिका. शिक्षाविद् स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद की जयंती राष्ट्रीय शिक्षा दिवस के रूप में मनाई गई। स्थानीय केन्द्रीय विद्यालय सीमा सुरक्षा बल में कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्राचार्य गजेन्द्र जोशी ने बताया कि शिक्षा दिवस पर विभिन्न कार्यक्रमों व गतिविधियों का आयोजन किया गया।

छात्र ... ने आजाद के व्यक्तित्व एवं कृतित्व पर प्रकाश डाला। इस मौके पर ... प्रतियोगिता में ... ने प्रथम, ... ने द्वितीय, ... ने तृतीय, जीवन में शिक्षा के महत्व विषय पर आयोजित भाषण प्रतियोगिता में पूजा बिश्नोई ने प्रथम, ममता बिश्नोई ने द्वितीय व कीर्ति ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इसी प्रकार स्थानीय एकलव्य शिक्षा मंदिर उच्च प्राथमिक विद्यालय में राष्ट्रीय शिक्षा दिवस मनाया गया। शिक्षक मुकेश ... व ... ने स्वतंत्र भारत के प्रथम शिक्षामंत्री मौलाना अबुल कलाम आजाद के जीवन पर प्रकाश डाला और शिक्षा दिवस का महत्व बताया।

सीमा सुरक्षा बल के केंद्रीय विद्यालय में दीक्षा समारोह हुआ

भास्कर संवाददाता | पोकरण

पोकरण. केन्द्रीय विद्यालय में स्काउट गाइड में सम्मानित करते प्राचार्य।

स्थानीय सीमा सुरक्षा बल के केंद्रीय विद्यालय में स्काउट गाइड दीक्षा समारोह मनाया गया। इसमें स्काउट गाइड प्रार्थना, प्रतिज्ञा, झंडा गीत, निनाद, दीक्षा पर विचार, लॉर्ड बेडिन पॉवेल की जीवनी आदि कार्यक्रम आयोजित किए गए। विद्यालय के प्रधानाचार्य गजेंद्र जोशी ने बताया कि कार्यक्रम में स्काउट्स व बुलबुल को स्कार्फ पहनाए तथा संबोधित किया। कार्यक्रम का संचालन स्काउट गौरव भास्कर व भावेश व्यास ने किया। प्रधानाचार्य ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी को अपने जीवन में अनुशासन के साथ सत्य, अहिंसा व देशभक्ति का भाव रखकर हमेशा आगे आना चाहिए। कार्यक्रम में खुशबू कंवर, महिपाल सिंह, महावीर सिंह, ममता, अनुष्का, गिरीश, अरविंद, सुमित, काजोल, नारायण और विष्णु ने कार्यक्रम प्रस्तुत किए। इस अवसर पर प्रभारी अमरनाथ लाखीवाल, शिव नारायण, सुधीर बाई तथा सरिता उपस्थित थे, वहीं केंद्रीय विद्यालय में गुरुवार को फिट इंडिया अभियान कार्यक्रम का लाइव प्रसारण किया गया। जानकारी के अनुसार देश के राजधानी दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा शुरू कि... गए फिट इंडिया अभियान कार्यक्र... का प्रसारण किया गया। विद्यालय ... कार्यक्रम को विद्यार्थियों ने टेलीविज... सेट पर देखा। उन्होंने इस अवसर प... स्वास्थ्य रक्षा की प्रतिज्ञा ग्रहण की... प्राचार्य गजेंद्र जोशी ने बताया कि सुब... विद्यालय में मेजर ध्यानचंद की स्मृ... में खेल दिवस का आयोजन किया।

OUR TOPPERS

KENDRIYA VIDYALAYA BSF, POKARAN
CLASS XII SCIENCE 2018-19
OUR TOPPERS

AADITYA JOSHI
90.4%
FIRST POSITION

DEVVRAT DEVAL
83.8%
SECOND POSITION

KENDRIYA VIDYALAYA BSF, POKARAN
CLASS XII HUMANITIES 2018-19
OUR TOPPERS

SURBHI GOSWAMI
89.6%
FIRST POSITION

MONIKA TANWAR
89.6%
FIRST POSITION

MUSKAN SINGH
87.8%
SECOND POSITION

KENDRIYA VIDYALAYA BSF, POKARAN
CLASS X 2018-19
OUR TOPPERS

YOGESH RATHI
92.40%
FIRST POSITION

ANKUR DEBNATH
90.40%
SECOND POSITION

RADHA K CHARAN
89.60%
THIRD POSITION